दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-39 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 18 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

इजरायली रक्षा मंत्री का दावा- ईरान के सबसे ताकतवर अफसर लारीजानी मारे गए, देश ने नहीं की पुष्टि

तेल अवीव (ए.)। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने दावा किया है कि ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी मिसाइल हमले में मारे गए हैं। हालांकि उनके इस दावे की ईरान की ओर से पुष्टि नहीं हुई है। सेना ने लारीजानी का लिखा एक नोट जरूर जारी किया है। इससे पहले इजराइली सेना (आईडीएफ) ने पुष्टि की थी कि उसने लारिजानी को निशाना बनाया था। प्रमुख इजरायली दैनिक, 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' के अनुसार, इजरायल के रक्षा मंत्री काट्ज ने मंगलवार को कहा कि इजरायली सेना ने रात भर चले हवाई हमलों में ईरान के सुरक्षा प्रमुख और उसकी बासिज मिलिशिया के प्रमुख को मार गिराया है। काट्ज ने एक बयान में कहा कि उन्हें सेना ने सूचित किया कि ईरान के सुरक्षा प्रमुख, अली लारीजानी, मारे गए हैं। इस बीच, लारीजानी का एक हस्तलिखित नोट उनके एक्स अकाउंट से प्रसारित हुआ है। इसमें अमेरिका के हमले में मारे गए ईरानी नाविकों को श्रद्धांजलि दी गई है। यह नोट ईरानी सरकारी मीडिया से जुड़े विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर भी शेयर किया गया है। काट्ज की टिप्पणियों पर तेहरान की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। अगर पुष्टि होती है, तो लारीजानी 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका एयर स्ट्राइक के पहले दिन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के बाद मारे जाने वाले ईरान के सबसे वरिष्ठ अधिकारी होंगे।वहीं, रॉयटर्स ने चार इजरायली अधिकारियों से बातचीत के आधार पर कहा कि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह मारे गए हैं या घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि लारीजानी उन लक्ष्यों में से एक थे, जिन्हें इजरायली सेना ने मंगलवार रात पूरे ईरान में किए गए हमलों में निशाने पर लिया था।

किसानों की आय और सुरक्षा दोनों की गारंटी; लोक सभा में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने तंबाकू जैसी हानिकारक फसल के स्थान पर लाभदायी वैकल्पिक फसलें उपलब्ध कराने से लेकर एमएसपी पर ऐतिहासिक खरीदी, फसल बीमा योजना में क्रांतिकारी सुधार और सख्त निगरानी व्यवस्था के जरिए किसानों की आय और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोक सभा में सांसदों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि मोदी सरकार ने केवल किसानों से तंबाकू की उपज छोड़ने की अपील नहीं की, बल्कि जिन क्षेत्रों में ये उगाई जाती है, वहां हाइब्रिड मक्का, मिर्च, शकरकंद, कपास, आलू, चिया, फीड बीन, लोबिया, रागी, रेड ग्राम, गन्ना, सोयाबीन, ज्वार और मूंगफली जैसी लाभकारी फसलों को मजबूत विकल्प के रूप में चिन्हित किया गया है ताकि किसानों की नकदी आमदनी सुरक्षित रहे।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन के पाँच अरब भोजन पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक विद्यार्थी को भोजन कराया।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 400 की मौत-250 घायल; अस्पताल पर की बमबारी

काबुल (ए.)। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमवार रात पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर एयरस्ट्राइक किए जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक अस्पताल भी शामिल बताया जा रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हमले में लगभग 400 लोगों की मौत और 250 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाते हुए बम गिराए। तालिबान प्रशासन ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। साथ ही कहा गया है कि यह अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन है।अफगानिस्तान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर जानकारी दी कि यह हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब 9 बजे हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस अस्पताल को निशाना बनाया गया, वह करीब 2000 बेड की क्षमता वाला बताया जा रहा है और उसे भारी नुकसान पहुंचा है।मीडिया टीमें जब घटनास्थल पर पहुंचीं तो अस्पताल के कुछ हिस्सों में आग लगी हुई थी। मौके से 30 से अधिक शवों को स्ट्रेचर के जरिए बाहर ले जाते देखा गया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार वहां बड़ी संख्या में मरीज मौजूद थे, इसलिए मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

सुको का अहम फैसला, अब गोद लेने वाली महिला को भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने मैटरनिटी लीव को लेकर एक बहुत अहम और बड़ा फैसला सुनाया है, जो खास तौर पर बच्चा गोद लेने वाली महिलाओं के लिए राहत भरा माना जा रहा है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेने वाली ही नहीं, बल्कि उससे ज्यादा उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाएं भी मातृत्व अवकाश की हकदार होंगी।दरअसल, पहले कानून में यह प्रावधान था कि अगर कोई महिला तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेती है, तभी उसे 12 हफ्तों की मैटरनिटी लीव मिलती थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इस नियम को गलत और भेदभावपूर्ण माना। कोर्ट ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के सेक्शन 60(4) को रद्द करते हुए कहा कि यह प्रावधान संविधान के आर्टिकल 14 (समानता का अधिकार) और आर्टिकल 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन करता है।कोर्ट का मानना है कि मातृत्व अवकाश का मकसद सिर्फ बच्चे के जन्म या गोद लेने के शुरुआती समय तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मां और बच्चे के बीच आत्मीय रिश्ता बनाने और बच्चे की देखभाल के लिए भी जरूरी होता है। अगर बच्चे की उम्र के आधार पर यह सुविधा दी जाए या रोकी जाए, तो यह सही नहीं है। इससे उन महिलाओं के साथ नाइंसाफी होती है, जो किसी कारण से थोड़ा बड़े बच्चे को गोद लेती हैं।इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक और अहम सुझाव दिया है। कोर्ट ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पिता के लिए भी पितृत्व अवकाश को लेकर साफ और ठोस कानून बनाया जाए। इससे बच्चों की परवरिश में पिता की भूमिका भी मजबूत होगी और जिम्मेदारी सिर्फ मां पर ही नहीं रहेगी। मैटरनिटी लीव को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले से तीन महीने से बड़े बच्चे को गोद लेने वाली महिलाओं को काफी राहत मिलेगी।

दर्दनाक सड़क हादसा : 2 लोगों की मौके पर मौत, सांवरिया सेठ के दर्शन करने जा रहे थे

उज्जैन (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी सांवरिया सेठ के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के उन्हेंल रोड स्थित गोयला बुजुर्ग गांव के पास हुआ, जहां एक स्विफ्ट डिजायर कार और आयशर वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। वहीं घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

कटक मेडिकल अग्निकांडः मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 12, एसी में शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

भुवनेश्वर (आरएनएस)। कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। सोमवार देर रात इलाज के दौरान दो और मरीजों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने घटना को अत्यंत गंभीर मानते हुए जांच तेज करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, कटक के एससीबी मेडिकल के ट्रॉमा आईसीयू में लगी आग में अब तक 12 मरीजों की जान जा चुकी है, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के समय आईसीयू में कुल 14 गंभीर मरीज भर्ती थे। इनमें से 11 मरीज वेंटिलेटर पर और तीन बिना वेंटिलेटर के थे। पास के पीडियाट्रिक आईसीयू में भर्ती एक मरीज की हालत भी घटना के बाद बिगड़ गई।

लोक निर्माण विभाग अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 4,525 करोड़ रुपये की स्वीकृति

एमएसपी पर गेहूं खरीद पर 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिए जाने का निर्णय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यों और अनुरक्षण के लिए 4 हजार 525 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं पर 40 रूपये प्रति क्विंटल के मान से बोनस दिए जाने का निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद ने उज्जैन शहर में चिमनगंज मंडी से इंदौर गेट तक 4-लेन एवं निकास चौराहा से इंदौर गेट तक 2-लेन ऐलिवेटेड कॉरीडोर के निर्माण के लिए 945 करोड़ 20 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके साथ रीवा की पनवार माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए 228 करोड़ 42 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। इसी तरह मंत्रि-परिषद ने पशुपालन विभाग का नाम गौपालन एवं पशुपालन किये जाने की भी स्वीकृति दी है।निर्णय अनुसार उपार्जित गेहूं में से भारत सरकार द्वारा स्वीकार न की जाने वाली सरप्लस मात्रा का निस्तारण मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा खुली निविदा के माध्यम से किया जाकर इस पर होने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। किसानों को बोनस राशि का भुगतान विभागीय मद में बजट प्रावधान कराकर तथा सरप्लस मात्रा के निस्तारण व्यय की प्रतिपूर्ति मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजनांतर्गत आवंटित बजट से किया जाएगा। मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यों और अनुरक्षण के लिए 4 हजार 525 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार उज्जैन शहर में चिमनगंज मंडी (इंद्रा नगर) चौराहा से इंदौर गेट तक 4-लेन ऐलिवेटेड कॉरिडोर एवं निकास चौराहा से इंदौर गेट तक 2 लेन ऐलिवेटेड कॉरिडोर लंबाई 5.32 कि.मी. के निर्माण कार्य को विभागीय सूचकांक से मुक्त रखते हुए लागल राशि 945 करोड़ 20 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2028 और जन भागीदारी अंतर्गत विकास हेतु अनुदान योजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 7 करोड़ 38 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। एनडीबी से वित्त पोषण पुल और सड़क निर्माण की योजना की निरंतरता के लिए 50 करोड़ 10 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम-6 की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 1543 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम-7 की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 1,476 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। शासकीय आवास गृह, विश्राम गृहों के रखरखाव और अनुरक्षण के लिये 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए के लिए 200 करोड़ 35 रूपये की स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

चुनाव आयोग ने केरल के 5 अधिकारियों का किया ट्रांसफर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि केरल सहित सभी राज्यों में चुनाव प्रलोभन मुक्त, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण होंगे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने केरल में कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। चुनाव आयोग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, आईपीएस अधिकारी नारायणन (डीआईजी रैंक) को कोझिकोड में जिला पुलिस प्रमुख के पद पर तैनात किया गया है। थॉमसन जोस आईपीएस-2009 को त्रिशूर, डीआईजी रेंज, इनबासेखर (आईएएस-2015) को जिला कलेक्टर-सह-डीईओ अलापुझा, वंदना एस. केएएस को राजस्व मंडल अधिकारी, थालीपरंब सह-आरओ इरिकुर, कन्नूर और सचिन कृष्णा केएएस को जिला रजिस्ट्रार जनरल, कन्नूर सह-आरओ धर्मदम, कन्नूर के पद पर तैनात करने के निर्देश आयोग ने दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के साथ ही अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट 18 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे तक भेजने की बात कही है। इसके अतिरिक्त, स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव समाप्त होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं करने का निर्देश केरल सरकार को चुनाव आयोग ने दिया है।

मध्य प्रदेश में आज से बदलेगा मौसम का मिजाज, कई जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। आज 18 मार्च से प्रदेश में एक मजबूत वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से अगले तीन दिनों तक आधे से ज्यादा जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक देखने को मिल सकती है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में भी इसका असर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 17 मार्च की रात से उत्तर-पश्चिम भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो जाएगा, जिसका प्रभाव मध्य प्रदेश में भी पड़ेगा। इसी वजह से 18, 19 और 20 मार्च के दौरान प्रदेश के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। इससे पहले सोमवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज गर्मी महसूस की गई। मंगलवार को भी तापमान बढ़ा रहेगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। मार्च के इस सीजन में पहली बार इतना मजबूत मौसम सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके कारण करीब तीन से चार दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का असर बना रह सकता है। कहीं बारिश और आंधी के साथ गरज-चमक होगी, तो कुछ जगहों पर बादल छाए रहने के आसार हैं।मौसम विभाग के अनुसार इस समय प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ लाइन सक्रिय है, लेकिन इनका प्रभाव ज्यादा नहीं दिख रहा है। इसी वजह से सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में गर्मी का असर बना रहा। खरगोन प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, सिवनी, मंडला, टीकमगढ़, सागर और खजुराहो में भी तापमान 37 डिग्री या उससे अधिक रहा। पांच बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। भोपाल में 35.2 डिग्री, इंदौर में 35 डिग्री, ग्वालियर में 34.1 डिग्री और उज्जैन में 35 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।मौसम विभाग ने इस साल अप्रैल और मई में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना जताई है। इन महीनों में ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में भी गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। विभाग का अनुमान है कि इस बार अप्रैल और मई के दौरान करीब 15 से 20 दिन तक हीट वेव यानी लू चल सकती है।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल और शेष संभागों में 7 से होगी गेहूँ खरीदी : खाद्य मंत्री राजपूत

- गेहूँ उपार्जन के लिये 19 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी।मंत्री राजपूत ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री राजपूत ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत् वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। जिला इंदौर में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724, खरगोन में 27557, शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195, देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312 किसान पंजीयन कर चुके हैं।

दीक्षा प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी समाज और देश के विकास में सहयोग दें और बने जिम्मेदार नागरिक : राज्यपाल श्री पटेल

सम्राट विक्रमादित्य का नाम जुड़ने पर विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों का बढ़ा गौरव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (निप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि आज विक्रम विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यधिक आनन्द का अनुभव हो रहा है। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए सभी के यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि उज्जैन नगरी में आते ही एक अलग प्रकार की अनुभूति होती है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में ही एक विद्यार्थी ने शिक्षा प्राप्त की और आज वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मंगलवार को राज्यपाल श्री पटेल की अध्यक्षता और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागृह सम्पन्न हुआ।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश का राज्यपाल बनने के अगले ही दिन वे भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आए और यहीं से उन्हें प्रदेश के सतत विकास और देश की प्रगति के लिए प्रयासरत रहने की प्रेरणा प्राप्त हुई। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि आज दीक्षांत के साथ आप सभी ने समाज के उत्थान और देश की एकता के लिए शपथ ली है। विश्वविद्यालय से जो संस्कार आपको मिले है उन्हें जीवन भर स्मरण रखकर कार्य करें। आपके माता-पिता ने आपको शिक्षित करने के लिए बहुत कष्ट उठाए है इसलिए पढ़ लिखकर अपने माता-पिता की सेवा करें। आप जीवन में कुछ भी बन जाओं परंतु अपने माता-पिता और गुरु के प्रति सदैव आभारी रहना, उनकी सेवा करना। शिक्षित होने का उद्देश्य मात्र उपाधि अथवा प्रमाण-पत्र पाना नहीं बल्कि समाज और देश की उन्नति में योगदान देकर एक जिम्मेदार नागरिक भी बनना है।

भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन को बनाया अपनी शिक्षा स्थली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान और ध्यान के वैश्विक केन्द्र उज्जैन को भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षास्थली के रूप में चुना। चौसठ कलाओं और 14 विद्याओं की यह धरती शौर्य के प्रतीक सुशासन के पुरोधा, विक्रम संवत के प्रवर्तक, भारतीय सांस्कृतिक चेतना के रक्षक और न्यायप्रियता के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य की कर्मस्थली रही है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह केवल उपाधि वितरण नहीं बल्कि 7 दशकों के उस समर्पण का परिणाम है, जिसने दुनिया को कुशल मानव संसाधन और श्रेष्ठ स्कॉलर सौंपे हैं। विश्वविद्यालय से सम्राट विक्रमादित्य का नाम जुड़ने से विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों का गौरव बढ़ा है।

भोपाल में एलपीजी संकट पर कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन, दुकानदारों को बांटा कोयला, सरकार पर साधा निशाना

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में रसोई गैस और कमर्शियल सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर कांग्रेस ने अनूठे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झुमरवाला ने आज मंगलवार को बरखेड़ा पठानी चौराहे पर दुकानदारों और आम नागरिकों के बीच कोयले का वितरण कर गैस संकट की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।रविंद्र साहू ने कहा कि मध्य प्रदेश में रसोई गैस की गंभीर किल्लत के कारण छोटे होटल संचालक, चाय दुकानदार और आम परिवार सिलेंडर के लिए भटकने को मजबूर हैं। गैस उपलब्ध नहीं होने से लोगों को मजबूरन पुराने समय की तरह कोयला और लकड़ी का सहारा लेना पड़ रहा है। इसी सच्चाई को उजागर करने के लिए यह प्रतीकात्मक विरोध किया गया।उन्होंने केंद्र सरकार और प्रदेश की मोहन यादव सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारें इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह मौन हैं। उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि जब गैस कनेक्शन दिए गए, तो अब उसकी नियमित आपूर्ति क्यों सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। साहू ने आरोप लगाया कि सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण आम जनता, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने स्थानीय विधायक एवं मंत्री कृष्णा गौर से भी सवाल किया कि क्षेत्र में इतनी बड़ी समस्या होने के बावजूद वे चुप क्यों हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति तत्काल सुचारू की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता और व्यापारियों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेगी।इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय दुकानदार, कांग्रेस कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। सभी ने गैस आपूर्ति की समस्या को लेकर नाराजगी जताई और सरकार से जल्द समाधान की मांग की।

एचपीवी टीकाकरण अभियानः मध्यप्रदेश में 14 वर्ष की एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण हुआ पूर्ण

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्यप्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, राजगढ़ और खरगोन जिलों का इस उपलब्धि में विशेष योगदान रहा है।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 129 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में एडीएम सुमित पांडेय, अंकुर मेश्राम एवं प्रकाश नायक ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 129 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय, श्री मेश्राम एवं श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय आधारित जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल (निप्र)। आर सी.व्ही. पी .नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल के सौजन्य से ई-दक्ष केंद्र भोपाल में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय पर जिला स्तरीय लोक सूचना अधिकारी / सहायक लोक सूचना अधिकारी एवं अन्य स्टाफ का दो दिवसीय प्रशिक्षण 16 एवं 17 मार्च को आयोजित किया गया। अकादमी द्वारा बनाए गए जिला रिसोर्स पर्सन के रूप मे मास्टर ट्रेनर रिंकेश जैन, वरिष्ठ प्रशिक्षक ई-दक्ष केंद्र द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का परिचय, शासन के विभिन्न राजपत्र, आरटीआई पोर्टल एवं विभिन्न न्यायालयीन निर्णय का हवाला देते हुई विभिन्न प्रश्नों का समाधान विषय का विस्तृत प्रशिक्षण संबंधित अधिकारियों को दिया गया ।

भोपाल में नापतौल विभाग को फिर बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल में आरडीएक्स का दावा, पुलिस ने किया सर्च ऑपरेशन

भोपाल,(निप्र)। मध्य पदेश की राजधानी में धमकी भरे ई-मेल का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एमपी नगर स्थित नापतौल विभाग के कार्यालय को मंगलवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिससे हड़कंप मच गया।मंगलवार को भेजे गए एक ई-मेल में दावा किया गया कि कार्यालय परिसर में ड्रोन के जरिए चार छोटे आरडीएक्स बम लगाए गए हैं, जो दोपहर 2 बजे विस्फोट करेंगे। ई-मेल में कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकालने की चेतावनी भी दी गई थी। सूचना मिलते ही एमपी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे कार्यालय परिसर में सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया। एहतियात के तौर पर सभी कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने बारीकी से जांच की, लेकिन मौके पर कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, एक दिन पहले भी इसी तरह का धमकी भरा ई-मेल मिला था, जिसमें पुलिस की तलाशी प्रक्रिया को परखने की बात कही गई थी। इस घटना को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। फिलहाल साइबर टीम ई-मेल भेजने वाले की पहचान में जुटी है और तकनीकी जांच के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

निवाड़ी के डायल 112 हीरोज

सतर्कता और समझाइश देकर आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठी महिला को सुरक्षित बचाया

भोपाल,(निप्र)। निवाड़ी जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र मेंडायल-112 जवानों की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाईसे आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठी एक महिला की जान बचाई गई। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक संभावित गंभीर घटना को टाल दिया गया।दिनांक 16 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई किनिवाड़ी रेलवे स्टेशनपर एक महिला

आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठ गई है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही कोतवाली थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर आरक्षक नरेंद्र गौतम एवं पायलट आनंद कुमार ने पाया कि पारिवारिक विवाद के चलते अवसादग्रस्त 21 वर्षीय महिलारेलवे पटरी पर बैठी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए महिला को समझाइश देकर सुरक्षित पटरी से हटाया। इसके पश्चात महिला पहचान एवं सत्यापन उपरांत उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा न केवल आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करती है, बल्कि संवेदनशीलता के साथ लोगों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है।

राज्य सरकार की प्राथमिकता है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना : मंत्री श्री परमार

विभागीय समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल (निप्र)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को, भोपाल में मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में, उच्च शिक्षा विभाग की बैठक लेकर, विभिन्न विभागीय विषयों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। मंत्री श्री परमार ने नवीन संकाय, संकाय उन्नयन एवं विधि महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्री श्री परमार ने नवीन संकाय एवं स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री परमार ने प्रदेश में संचालित शासकीय विधि महाविद्यालयों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर निर्देशित किया कि समस्त मानकों की पूर्ति करते हुए बीसीआई से मान्यता प्राप्त करने एवं विश्वविद्यालयो से संबद्धता प्राप्त करने की कार्यवाही आगामी सत्र प्रवेश प्रारंभ होने से पूर्व सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में विश्वविद्यालयों से उच्च स्तर पर समन्वय स्थापित कर कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने को भी कहा। मंत्री श्री परमार ने निर्देशित किया कि जन प्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले प्रस्तावों पर, समय-सीमा में परीक्षण कर प्रावधान अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति से अनिवार्यत: अवगत भी कराया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि महाविद्यालय में छात्र संख्या के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत शैक्षणिक पदों का युक्तियुक्तकरण किया जाए एवं प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को अनुमति के लिये प्रेषित किया जाए जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो सके। मंत्री श्री परमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, राज्य सरकार की प्राथमिकता है।बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, 5 हजार की रिश्वत लेते हाउसिंग बोर्ड का कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (हाउसिंग बोर्ड) के एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जवाहर चौक स्थित कार्यालय के गोमन्तिका परिसर में मंगलवार को की गई। रिश्वतखोर आरोपी की पहचान ज्ञानेंद्र कुमार पटेल के रूप में हुई है, जो संपदा शाखा में आउटसोर्स कर्मचारी के तौर पर कार्यरत था। उस पर सुल्तानाबाद निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी दूधनाथ शुक्ला से मकान की लीज नवीनीकरण के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी पत्नी के नाम पर आवंटित ईडब्ल्यूएस मकान की लीज बढ़ाने के लिए आरोपी लगातार पैसे की मांग कर रहा था और राशि न देने पर काम टाल रहा था। परेशान होकर उन्होंने लोकायुक्त से शिकायत की। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की गोपनीय जांच कराई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की गई। मंगलवार को शिकायतकर्ता को 5 हजार रुपये की पहली किस्त लेकर आरोपी के पास भेजा गया।

सरकार की नीतियां किसानों के हित में नहीं, किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का बड़ा हमला

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार पर किसानों के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां किसानों के हित में नहीं, बल्कि उन्हें कर्ज और आर्थिक संकट में धकेलने का काम कर रही हैं।कुणाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीदी में भारी अनियमितताएं हो रही हैं। सरकार ने किसानों को 575 रूपये प्रति क्विंटल बोनस देने का वादा किया था, लेकिन केवल 40 रूपये बढ़ाकर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि पूरा 575 रूपये बोनस तत्काल दिया जाए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में एमएसप में लगातार 33त्न से 45त्न तक वृद्धि की गई और लगभग 70,000 करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर किसानों को राहत दी गई थी।कुणाल चौधरी ने गेहूं खरीदी की तारीख 16 मार्च से बढ़ाकर 1 अप्रैल करने के फैसले को किसानों के खिलाफ बताया। उन्होंने मांग की कि खरीदी की अवधि बढ़ाकर 31 अप्रैल तक की जाए, ताकि किसानों को पर्याप्त समय मिल सके। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मनाए जा रहे कृषि कल्याण वर्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यह किसान शोषण वर्ष बन गया है, जहां किसानों को राहत देने के बजाय उन्हें कर्ज और ब्याज के जाल में फंसाया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चों को परिवार से जोड़ने के लिए व्यापक जागरुकता अभियान की आवश्यकता : मंत्री निर्मला भूरिया

क्षेत्रीय परामर्श बैठक में दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने, राज्यों के समन्वय और विशेष बच्चों के पुनर्वास पर हुआ मंथन

भोपाल,(निप्र) । महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच से ही इन बच्चों को परिवार और बेहतर जीवन मिल सकता है।मंत्री भूरिया राजधानी भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में मंगलवार को दिव्यांग बच्चों को संस्थाओं से निकालकर परिवार का स्नेह और सुरक्षित भविष्य दिलाने के उद्देश्य से आयोजित क्षेत्रीय परामर्श बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द देकर समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गैर-संस्थागत पुनर्वास को प्राथमिकता दी जा रही है और मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के माध्यम से स्पॉन्सरशिप तथा ऑफ्टर-केयर की व्यवस्था कर बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।क्षेत्रीय परामर्श बैठक में सचिव महिला बाल विकास जी वी रश्मि , केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) की उप निदेशक ऋचा ओझा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बाल संरक्षण के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित रहे।मंत्री भूरिया ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए परिवार का स्नेह अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कोई भी संस्था परिवार का स्थान नहीं ले सकती। भूरिया ने कहा कि वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार देश में 4,155 बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें केवल 7 प्रतिशत विशेष आवश्यकता वाले बच्चे थे और इनमें से भी अधिकांश बच्चों को विदेशी दम्पत्तियों ने अपनाया। यह स्थिति बताती है कि देश में दिव्यांग बच्चों के दत्तक ग्रहण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आईवीएफ जैसी तकनीक का प्रचार हो रहा है वैसा ही प्रभावी प्रचार दत्तक ग्रहण के लिये होना चाहिए। इसके लिये फोकस्ड एप्रोच के साथ नि:संतान दम्पतियों को परामर्श देना आवश्यक है। हमारे देश में ऐसे अनेक उदाहरण दिव्यांग बच्चे हैं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्र चाहे वह खेल का मैदान हो, यूपीएससी में सफलता हासिल करना हो। सभी में अपना परचम लहराया है। भूरिया ने सुझाव दिया कि सफल दिव्यांग व्यक्तियों को ब्रांड एम्बेसडर बनाकर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जा सकता है।मंत्री भूरिया ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को गोद लेने वाले परिवारों के लिए चिकित्सा उपचार, नि:शुल्क फिजियोथेरेपी, परामर्श सेवाएं, शिक्षा सहायता और बीमा जैसी सुविधाओं पर भी विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों की संख्या कम होने के कारण राज्यवार विशेष योजनाऐं बनाकर उनके समुचित पुनर्वास के लिए बजट का प्रावधान किया जा सकता है।महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव जी. वी. रश्मि ने कहा कि भारतीय समाज में संस्कारों का अत्यधिक महत्व है, लेकिन जब बात विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को गोद लेने की आती है तो सामाजिक रूढ़ियां अक्सर निर्णय में बाधा बनती हैं।

ग्रीष्म ऋतु में सुचारु पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने कलेक्टर नारायन ने ली नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाडा (ए.)। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जिले में पेयजल की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में नगर निगम एवं जिले के सभी नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सी.पी. राय सहित जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर नारायन ने निर्देश दिए कि जिन नगरीय निकायों में वर्तमान में पानी की कमी की समस्या है अथवा आगामी महीनों में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है, वे अभी से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए जल स्रोतों, पाइपलाइन व्यवस्था तथा टैंकरों की उपलब्धता का पूर्व आंकलन कर आवश्यक प्रबंध कर लिए जाएं। कलेक्टर श्री नारायन ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता हो तो नगरीय निकाय जल संसाधन विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर पानी की आपूर्ति बढ़ाने की व्यवस्था करें, ताकि नागरिकों को गर्मी के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में पेयजल एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए नगरीय निकाय अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में भी कार्य करें। आवश्यकता पड़ने पर जल कर अथवा संपत्ति कर में संशोधन कर निकाय की आय बढ़ाने पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे निकायों के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों और जनता की समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके।

रीवा में कमर्शियल गैस की किल्लत से ठप पड़ा कारोबार, चौपाटी की आधी दुकानें बंद

रीवा, (ए.)। मध्यप्रदेश के रीवा शहर में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी कमी ने छोटे व्यापारियों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। शहर की चौपाटी, जो आमतौर पर ग्राहकों की भीड़ से गुलजार रहती है, अब सूनी दिखाई देने लगी है। गैस की अनुपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करने पर मजबूर होना पड़ा है।जानकारी के अनुसार चौपाटी क्षेत्र में करीब 55 से 60 दुकानें संचालित होती हैं, लेकिन वर्तमान हालात में केवल 24 से 25 दुकानें ही किसी तरह खुल पा रही हैं, जबकि शेष दुकानों पर ताले लटके हुए हैं। जो दुकानें खुली हैं, वे भी सीमित संसाधनों के सहारे काम चला रही हैं। छोटे व्यापारियों का कहना है कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उन्हें कच्चा माल घरों में लकड़ी के चूल्हों पर तैयार करना पड़ रहा है।

दुकान में रखे सामान सहित 32 लाख के चैक चोरी

- ओमती में वारदात, पड़ोसी दुकानदार पर मामला दर्ज

जबलपुर, (ए.)। ओमती थाना अतंर्गत विक्टोरिया अस्पताल के सामने स्थित हितकारिणी मार्केट की एक दुकान में 32 लाख 30 हजार रुपए के तीन चैक चोरी हो गए। घटना 2 फरवरी की बताई गई है। एफआईआर 16 मार्च को दर्ज की गई है । इस घटनाक्रम में सीसीटीव्ही फुटेज पेश किए गए, जिसमें पड़ोस में स्थित इलेक्ट्रानिक दुकान के संचालक माल अपनी दुकान में शिफ्ट करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने आरोपी चंद्र कुमार चावला एवं राजा चावला के खिलाफ धारा 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ओमती पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचशील नगर गोरखपुर निवासी 36 वर्षीय सुखप्रीत कौर रैत की विक्टोरिया अस्पताल के सामने हितकारिणी मार्केट में होम एपलाइस एवं स्पेयर पार्टस की थोक दुकान में उस वक्त चोरी की घटना हुई, जब वे दिल्ली गई हुई थी। दुकान में उनका भाई हरमीत सिंह और कर्मचारी शुभम झारिया, रेशमा पटैल, पूजा पासी दुकान को देख रहे थे। 2 फरवरी की रात को दुकान बंद करके वे सभी लोग घर चले गए। 3 फरवरी को भाई हरमीत सिंह जब दुकान खोलने पहुंचा तो शटर का ताला खुला था और दुकान के अंदर का सामान नदारद था। 6 फरवरी को हरप्रीत दिल्ली से लौटी और दुकान का स्टॉक चैक किया तो पता चला कि आरओ के 2 बाक्स, इंडक्शन का 1 बाक्स, मिक्सर ग्राइन्डर का 1 बाक्स, शीलिंग फेन के स्टेटर सेमीटोन कम्पनी के 2 बाक्स, कूलर की मोटर के 3 कार्टून, कूलर पम्प के 2 कार्टून, मिक्सी के बुस का 1 कार्टून गायब था इसके अलावा हरे माधव इलेक्ट्रानिक्स द्वारा हरप्रीत के नाम से जारी तीन चैक 11 लाख 80 हजार रूपये एवं 8 लाख 20 हजार रूप्ये तथा 12 लाख 30 हजार कुल 32 लाख 30 हजार रूपये के चैक गायब थे।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 117 आवेदकों की हुई सुनवाई

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जन सामान्य को अपने कक्ष में बुलाकर सुनीं समस्यायें

ग्वालियर (ए.)। जन-सुनवाई में जन सामान्य से प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लें और समयबद्ध कार्यक्रम के तहत आवेदनों का निराकरण करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने जन सामान्य को अपने कक्ष में बुलाया और एक - एक कर सभी की समस्यायें सुनीं। साथ ही जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई। इससे पहले कलेक्ट्रेट के सभागार में भी जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने जन-सुनवाई की। मंगलवार को हुई कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 117 लोगों की सुनवाई हुई। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए कुल आवेदनों में से 58 आवेदन दर्ज किए गए। शेष 59 आवेदन सीधे ही संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिये दिए गए। हर बार की तरह इस बार की जन-सुनवाई में भी जरूरतमंदों के नि:शुल्क इलाज का इंतजाम कराया गया। साथ ही जमीन संबंधी समस्याओं को जल्द से जल्द निराकृत करने के लिये संबंधित एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया गया। कलेक्ट्रेट के सभागार में हुई जन-सुनवाई में अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत एवं अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी जन सामान्य की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने दिवंगत सुश्री सुरभि खंडेलवाल को दी श्रद्धांजलि

बैतूल (ए.)। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के निज निवास पहुंचकर उनसे एवं उनके परिजनों से भेंट की तथा उनकी पुत्री दिवंगत सुश्री सुरभि खंडेलवाल के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए ईश्वर से दिवंगत की शांति एवं परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत की शांति की प्रार्थना की।

वेस्ट सेंट्रल यूनियन का प्रदर्शन- रेल प्रशासन भेदभावपूर्ण रवैये का विरोध

जबलपुर, (ए.)। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन (डब्ल्यूसीआरईयू) के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के रनिंग स्टाफ ने मुख्य रेलवे स्टेशन स्थित क्रू लॉबी के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने रेल प्रशासन को रनिंग स्टाफ के साथ लगातार शासन-प्रशासन द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाये जाने के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि इस रवैये को अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

यूनियन के मंडल अध्यक्ष कामरेड बीएन शुक्ला, मंडल सचिव रोमेश मिश्रा, सुशांत नील शुक्ला, संतोष यादव आदि पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले काफी समय से प्रशासन की मनमानी बढ़ती जा रही है, लेकिन डबलूसीआरईयू के लाल झंडा ने एक बार फिर प्रशासन की मनमानी पर अंकुश लगाने की ठान ली है। कर्मचारी विरोधी नीतियों का जोरदार विरोध कर मांगों का सहानुभूतिपूर्वक समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

रनिंग स्टाफ की प्रमुख मोंगों पर पदाधिकारियों ने बताया कि प्रशासन द्वारा एमएसपी पास सीनियर एएलपी को हैंडलिंग देने के नाम पर एएलपी में बुक किया जा रहा है, जिससे गाड़ी में कार्यरत एलपी और हैंडलिंग लेने वाले साथी दोनों को ही परेशानी का सामना करना पड़ता है, अगर एलजी में ही करना है तो 10 साल से क्या कर रहे हैं उसी को हैंडलिंग मान लिया जाए लाखों किलोमीटर हो गए ।

व्यापार समाचार

दुबई और अबू धाबी की कई उड़ानें रद्द, भारतीय विमानन कंपनियों की एडवाइजरी जारी

अबू धाबी (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर परिवहन से लेकर शिक्षा और सुरक्षा पर हो रहा है। दोनों तरफ से जारी हमलों के बीच विमान का संचालन भी बाधित हो रहा है। इस बीच संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूतावास ने नई एडवाइजरी जारी कर विमान के शेड्यूल से संबंधित जानकारी साझा की है। एयरलाइन ने बताया है कि 15 मार्च के लिए विमानों के संचालन में फेर-बदल किया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और इंडिगो ने रविवार को दुबई और अबू धाबी जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

भारतीय दूतावास ने लिखा, संयुक्त अरब अमीरात के सिविल एविएशन प्राधिकरण के निर्देशों के आधार पर एयरलाइंस संशोधित और सीमित उड़ान शेड्यूल जारी कर रही हैं। अबू धाबी, दुबई, आरएके (रस अल खैमाह), शारजाह और फुजैराह के हवाई अड्डे से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए सीमित उड़ानें संचालित की जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क किया जा सकता है।

इससे पहले यूएई में भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने सीजी सतीश सिवन के साथ यूएई में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और समुदाय की भलाई पर चर्चा की। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि दूतावास और कॉन्सुलेट पूरी तरह से काम कर रहे हैं। जरूरतमंद भारतीयों की मदद के लिए 24म7 हेल्पलाइन उपलब्ध है।

वहीं एयर इंडिया ने यूएई के लिए विमान के संचालन को लेकर कहा, यूएई एयरपोर्ट प्राधिकरण के निर्देशों के बाद, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को 15 मार्च 2026 के लिए अपने एड-हॉक ऑपरेशन्स को और सीमित करना पड़ रहा है। आज अबू धाबी, रास अल खैमाह और शारजाह के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सभी प्लान की गई फ़्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं।

एयरलाइन ने आगे बताया कि दोनों एयरलाइंस अब दिल्ली-दुबई सेक्टर पर एक-एक राउंड ट्रिप ऑपरेट करेंगी। ये विमान स्लॉट की उपलब्धता और संचालन के समय के हालात के आधार पर ऑपरेट किए जाएंगे। कैंसिल या अस्थायी तौर पर सस्पेंड की गई सेवाओं पर बुक किए गए गेस्ट बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के आगे की तारीख के लिए रीबुक कर सकते हैं या पूरा रिफंड ले सकते हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मौजूदा हालातों की वजह से यात्रियों को हो रही परेशानी के लिए अफसोस जताते हैं। एयरलाइन ने कहा, हम फंसे हुए गेस्ट्स को जल्द से जल्द सुरक्षित घर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इंडिगो ने भी दुबई की अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस जरूर चेक कर लें। एयरलाइन अधिकारियों के साथ मिलकर धीरे-धीरे अपनी सेवाओं को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। इसमें यूरोप के कुछ मार्ग भी शामिल हैं। वहीं स्पाइसजेट ने भी एक पोस्ट में बताया है कि पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालातों की वजह से दुबई आने-जाने वाली उड़ानों के संचालन पर और प्रतिबंध लगा दिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। एयरलाइन यात्रियों को उनके फोन नंबर और ईमेल पर इसकी जानकारी दे रही है।

अप्रैल से आम आदमी की जेब पर पड़ेगा भारी डाका, कार से लेकर टीवी-फ्रिज और एसी तक सब होने जा रहा है महंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप गर्मी के इस मौसम में नया एसी, टीवी, फ्रिज या फिर कोई नई कार खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक झटके वाली खबर हो सकती है। आगामी 1 अप्रैल से आपकी रोजमर्रा के इस्तेमाल से जुड़ी कई जरूरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे माल की तेजी से बढ़ती कीमतों और ट्रांसपोर्टेशन के बढ़ते खर्च के कारण बाजार में इन सामानों के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। यानी अगले महीने से अपनी जरूरत का सामान घर लाने के लिए आपको अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ेगा।

कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ी लागत ने बिगाड़ा बजट

कंपनियों द्वारा अचानक दाम बढ़ाने की तैयारी के पीछे सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कच्चे माल का महंगा होना है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी मात्रा में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, रेजिन और पॉलिमर की कीमतों में अचानक बड़ी तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माल ढुलाई (फ्रेट रेट) की दरों में भी 7 से 10 प्रतिशत तक का भारी इजाफा हुआ है। जाहिर है, जब कंपनियों को प्रोडक्ट बनाने और उसे बाजार तक पहुंचाने में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, तो वे अपनी इस बढ़ती लागत का सीधा बोझ ग्राहकों की जेब पर ही डालेंगी।

लग्जरी कारों के साथ-साथ आम गाड़ियां भी भरेंगी उड़ान

इस महंगाई की मार से ऑटोमोबाइल सेक्टर भी अछूता नहीं रहने वाला है। कई प्रमुख कार निर्माता कंपनियां अपनी गाड़ियों की कीमतों में 2 से 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। मर्सिडीज-बेंज (Mercedes-Benz) और ऑडी (Audi) जैसी लग्जरी कार निर्माता कंपनियों ने तो पहले ही आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि वे 1 अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत का इजाफा करने जा रही हैं। वहीं, आम आदमी के बजट की कारें बनाने वाली कंपनियां भी अब अपने नए रेट तय करने की अंतिम प्रक्रिया में जुट गई हैं।

इलेक्ट्रॉनिक आइटम, कपड़े और जूतों पर गिरेगी महंगाई की गाज

कारोबारी रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ कारें ही नहीं बल्कि हर घर की जरूरत बन चुके टीवी, फ्रिज और एयर कंडीशनर (AC) जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान भी महंगे होने जा रहे हैं। चूंकि इन प्रोडक्ट्स में प्लास्टिक आधारित पार्ट्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, इसलिए कंपनियां इनकी कीमतों में 5 से 6 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती हैं। इसके अलावा जूते, सिंथेटिक फाइबर से बने कपड़े और घरों में इस्तेमाल होने वाले डेकोरेटिव पेंट की कीमतों में भी 9 से 10 प्रतिशत तक का तगड़ा उछाल आ सकता है। इन सबके ऊपर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लगभग 2 प्रतिशत कमजोर होने से भी आयात महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर कंपनियों की उत्पादन लागत और अंतत: ग्राहकों पर पड़ रहा है।

टाटा की इलेक्ट्रिक कार खरीदने की मची लूट, नेक्सन से लेकर पंच और कर्व ईवी पर मिल रही 3.80 लाख रुपए तक की भारी छूट

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप लंबे समय से एक नई इलेक्ट्रिक कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो टाटा मोटर्स आपके लिए एक शानदार मौका लेकर आई है। कंपनी ने मार्च 2026 के लिए अपनी पूरी ईवी (EV) रेंज पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर्स का ऐलान किया है। फरवरी के मुकाबले इन ऑफर्स को अब और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया गया है। खासतौर पर साल 2024 और 2025 में बनी गाड़ियों के पुराने स्टॉक को क्लियर करने के लिए कंपनी भारी छूट और बोनस दे रही है। अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से ग्राहकों को कार खरीदने पर कुल मिलाकर करीब 3.80 लाख रुपये तक का बंपर फायदा मिल सकता है।

टियागो ईवी पर मिल रहा तगड़ा डिस्काउंट

टाटा की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कारों में शुमार टियागो ईवी (Tiago EV) इस महीने ग्राहकों की पहली पसंद बन सकती है। इसके MY26 XT वेरिएंट पर 90,000 रुपये तक की छूट मिल रही है, जबकि टेक लक्स समेत अन्य टॉप मॉडल्स पर 1.20 लाख रुपये तक का फायदा उठाया जा सकता है। पुराने स्टॉक यानी MY24 और MY25 मॉडल्स पर यह छूट और भी ज्यादा है। Tiago EV XT के पुराने स्टॉक पर 1.80 लाख रुपये और XZ+ वेरिएंट पर 2.10 लाख रुपये तक की भारी बचत की जा सकती है। इसमें एक्सचेंज और स्क्रैपेज बोनस भी शामिल हैं।

पंच ईवी खरीदने वालों के लिए भी शानदार मौका

कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में धूम मचाने वाली टाटा पंच ईवी (Punch EV) की कीमतों में भी बड़ी कटौती देखने को मिली है। कंपनी इसके एंट्री-लेवल स्मार्ट वेरिएंट पर सीधे 90,000 रुपये तक की छूट दे रही है। वहीं, इसके लाइनअप के अन्य वेरिएंट्स पर 1.20 लाख रुपये तक की छूट का लाभ उठाया जा सकता है। अगर ग्राहक पंच ईवी का लॉन्ग रेंज वर्जन चुनते हैं, तो उनकी कुल बचत वेरिएंट के आधार पर 1.40 लाख रुपये तक पहुंच सकती है।

नेक्सन ईवी पर मिल रही लाखों की बचत

भारतीय बाजार में लगातार अपनी धाक जमाए रखने वाली टाटा नेक्सन ईवी (Ne&on EV) पर भी इस महीने खास ऑफर्स दिए जा रहे हैं। नेक्सन ईवी 3.0 के MY24 और MY25 मॉडल्स खरीदने पर ग्राहकों को पूरी रेंज पर 1.20 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। हालांकि, नए MY26 वेरिएंट पर यह फायदा लगभग 50,000 रुपये तक का है। इन आकर्षक ऑफर्स में ग्रीन बोनस, एक्सचेंज और स्क्रैपेज बोनस के साथ-साथ टाटा के मौजूदा ग्राहकों के लिए खास लॉयल्टी इंसेंटिव भी जोड़े गए हैं।

खुशखबरी: सोना हुआ और सस्ता, चांदी का भाव भी फिसला; अब क्या है रेट

मुंबई , (आरएनएस)। सोने और चांदी की कीमत में सोमवार को कमजोरी देखी जा रही है, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 3,500 रुपए तक कम हो गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएस) पर 2 अप्रैल 2026 के कॉन्ट्रैक्ट में सोना 1,192 रुपए या 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,57,274 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,57,347 का उच्चतम स्तर और 1,56,665 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया है। 5 मई 2026 के कॉन्ट्रैक्ट में चांदी का दाम 3,435 रुपए या 1.19 प्रतिशत कम होकर 2,56,340 रुपए था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,54,367 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,56,444 रुपए का उच्चतम स्तर छूआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में गिरावट देखी जा रही है। सोना 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,028 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80.70 डॉलर प्रति औंस पर थी। जानकारों के मुताबिक, सोने की कीमत में गिरावट की वजह 17 मार्च से शुरू होने वाली अमेरिकी फेड की बैठक है, जिसका परिणाम 18 मार्च को आएगा। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को देखते हुए अमेरिकी फेड ब्याज दरों को यथावत रख सकता है, जिसके चलते इस बैठक से पहले निवेशक सतर्क बने हुए हैं।इस बैठक के निर्णय सोने की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि' नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अत: उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी

एस. सुनील

अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है। हालांकि भाजपा एक साथ दक्षिण भारत की लड़ाई भी लड़ रही है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल की चुनावी लड़ाई आर-पार की सिर्फ इसलिए नहीं है कि वहां भाजपा को अपनी सरकार बनानी है या अपना मुख्यमंत्री बनाना है। यह कई दूसरे कारणों से आर-पार की लड़ाई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा चुनाव है। ध्यान रहे हर चुनाव के साथ सुरक्षा की चिंता गहराती जाती है। पांच साल पहले जो चुनाव हुआ वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा था। तभी भाजपा के पक्ष में व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण हुआ था। भाजपा को 40 फीसदी से कुछ कम वोट मिले थे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जो हुआ उसने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया। दो मई 2021 को आए नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़ी हिंसा हुई। भाजपा का समर्थन करने वाले हिंदुओं की पहचान पहले से की गई थी। नतीजों के बाद उनके घरों पर हमले हुए। उनको मारा गया। सैकड़ों हत्याएं हुईं, जिसे नस्ली सफाए की कोशिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

इस बार के चुनाव पर उस डर का साया साफ दिख रहा है। बंगाल के लोगों को इस डर से बाहर निकलना होगा। भारतीय जनता पार्टी को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह आम लोगों के साथ खड़ी है। सुरक्षा बलों

की तैनाती अपनी जगह है। लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है क्योंकि केंद्रीय बलों की तैनाती अनंतकाल तक नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के राज और उसमें एक समुदाय की ओर से होने वाले अत्याचार से त्रस्त लोगों को अगर यह भरोसा नहीं हुआ कि भाजपा जीतेगी और उसके बाद जमीनी हालात बदलेंगे, तब तक वह हिम्मत के साथ मतदान के लिए नहीं निकलेगा। उसके मनोविज्ञान में पिछली बार के चुनाव के बाद हुई हिंसा की तस्वीरें बैठी हुई हैं। इसलिए वह डरा हुआ है लेकिन यह भी चाहता है कि किसी तरह के बदलाव हो। यह पहला मौका है, जब बांग्लाभाषी हिंदू वास्तव में इस बात की चिंता कर रहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई तो उसका क्या होगा! इसलिए वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं लेकिन उससे पहले उनको हौसला और संबल चाहिए।

इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए अपने साथ साथ परिवार और पार्टी का अस्तित्व बचाने वाला चुनाव बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पता है कि अगर उनकी पार्टी चुनाव हारी तो उसका हश्र भी वैसा ही होगा, जैसा वामपंथी मोर्चे की जीत के बाद कांग्रेस का हुआ था और तृणमूल की जीत के बाद वाम मोर्चे की पार्टियों का हुआ था। एक बार चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद कोई साथ नहीं देगा। तभी वे भी आर-पार की लड़ाई की तैयारी में हैं। उनकी तैयारी में एक बड़ी बाधा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से पैदा हो रही है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सारे दांव फेल कर दिए हैं। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर शुरू होने के बाद पश्चिम बंगाल की सरकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए, जो एसआईआर की प्रक्रिया में मददगार बने। तभी एसआईआर के पहले चरण के बाद बंगाल में 58 लाख ही नाम कटे, जबकि बिहार में 69 लाख नाम कटे थे।

एसआईआर के दूसरे चरण के बाद यानी तमाम अदालती हस्तक्षेप के बाद जो अंतिम मतदाता सूची सामने आई उसमें भी 60 लाख नाम विचाराधीन कर दिए गए। इन मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच का जिम्मा अब न्यायिक अधिकारियों के हाथ में है। पिछले एक हफ्ते में इन 60 लाख मतदाताओं में से सिर्फ 10 फीसदी यानी छह लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच हो पाई है। ध्यान रहे अगले एक हफ्ते में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। सोमवार और मंगलवार को चुनाव आयोग की टीम बंगाल में रहेगी और लौटने के बाद अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देकर चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी। जाहिर है इतने कम समय में सभी 60 लाख नामों की जांच नहीं हो पाएगी। इस बीच राज्य की विपक्षी पार्टियों, जिसमें वाममोर्चा और कांग्रेस मुख्य हैं, ने यह मांग शुरू कर दी है कि जब तक सारे नामों की जांच नहीं हो जाती है तब तक चुनाव की घोषणा नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो यह ममता बनर्जी के लिए ज्यादा चिंता की बात होगी क्योंकि 60 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच के लिए चुनाव टालना पड़ेगा और अगर चुनाव टला तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। ध्यान रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु में तीन साल से ज्यादा समय तक राज्यपाल रहे रविंद्र नारायण रवि को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया है। वे बिहार के रहने वाले हैं। राष्ट्रपति शासन लगते ही सरकार की कमान उनके हाथ में चली जाएगी।

शासन और नौकरशाही की कमान हाथ से निकलने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी और उनके कैडर में घबराहट बढ़ेगी, जिसका बहुत बड़ा चुनावी नुकसान उनको हो सकता है। पिछले दिनों ममता बनर्जी ने कहा कि उनके चुनाव क्षेत्र भबानीपुर में 44 हजार नाम काटे गए हैं और कई हजार नाम विचाराधीन रखे गए हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि अगर एक भी मतदाता बचेगा तो वे ही चुनाव जीतेंगे। इससे ऐसा लग रहा है कि वे नहीं चाहती हैं कि चुनाव टले और राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। वे चाहेंगी कि भले 40 या 50 लाख नाम और कट जाएं, लेकिन चुनाव समय पर हो जाए। ऐसा होता है तो यह अभूतपूर्व बात होगी। ध्यान रहे बंगाल में अंतिम मतदाता सूची में 63 लाख से ज्यादा नाम कटे हैं और 60 लाख नाम विचाराधीन हैं।

क्या कांशीराम को यूपी चुनाव के पहले भारत रत्न मिल सकता है?

अजय बोकिल

क्या अगले साल उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले बड़े दलित नेता और चिंतक कांशीराम को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मिल सकता है? देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जीवित रहे होते तो क्या दलित कांशीराम को मुख्य मंत्री बनाते? कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ में कांशीराम जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'संविधान सम्मान कार्यक्रम' में ये दो मुद्दे उठाकर जहां नई राजनीतिक खलबली मचा दी है, वहीं उनके इतिहास ज्ञान पर भी सवाल उठने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि इस वक्त राहुल गांधी द्वारा कांशीराम को याद करने के पीछे कांग्रेस का असल सियासी मकसद क्या है? क्या पार्टी इस बहाने काफी पहले गंवा चुके दलित वोट को फिर से हासिल करने की जुगत में है? क्या इन बयानों का दलितों पर कांग्रेस के हित में सकारात्मक और भावनात्मक असर होगा? अपने भाषण में राहुल गांधी ने कांशीराम को सामाजिक न्याय का महान योद्धा और बहुजन चेतना का मार्गदर्शक बताते हुए उन्हें 'भारत रत्नब' देने की मांग की। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि कांशीरामजी ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदला तथा बहुजनों और गरीबों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई। इसी कार्यक्रम में स्व. कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। यह भी कहा गया कि जब राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे तब ये सब काम होंगे। राहुल के बयान को यूपी में विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस की तरफ से फेंका गया तगड़ा सियासी

पासा माना जा रहा है। जिसकी गूंज सुनाई देने लगी है। इसने यूपी में मायावती, अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेचैनी बढ़ा दी है। पहला रिएक्शन दलित नेता और यूपी की मुख्यिमंत्री रहीं मायावती की तरफ से आया। लखनऊ में ही कांशीराम जयंती के अवसर पर बसपा सुप्रीमो अध्यक्ष मायावती ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस तरह कांग्रेस ने संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर को लंबे समय तक भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया, वैसी गलती भाजपा/एनडीए की केंद्र सरकार को नहीं करनी चाहिए। संविधान की भावना के अनुरूप समतामूलक समाज बनाने में मान्यवर कांशीरामजी का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि दलित, पिछड़े और मुस्लिम समाज के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टियां चुनाव के समय ही इन वर्गों और उनके महापुरुषों को याद करती हैं, जबकि सरकार बनने के बाद उनकी उपेक्षा कर दी जाती है। उधर भरतपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बसपा नेता आकाश आनंद ने राहुल गांधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांशीरामजी में नेहरू को प्रधानमंत्री बनाने की ताकत थी, न कि नेहरू उन्हें मुख्यमंत्री बनाते। कांशीरामजी ने खुद पद का लालच किए बिना प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाए। आकाश ने सवाल किया कि जब कांशीरामजी का देहांत हुआ, तब केन्द्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक तक घोषित नहीं किया। कांग्रेस केवल दलितों का शोषण करती आई है। इस बीच बीजेपी ने प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि जब तक कांशीराम जीवित रहे, कभी कांग्रेस ने उन्हें सम्मान नहीं दिया। आज दलित वोट बैंक के लिए ऐसी बात कर रहे हैं।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को तब भारत रत्न मिला, जब देश में जनता दल के नेतृत्व की सरकार बनी।

कांशीराम पंजाब के रहने वाले थे और रामदासी सिख थे। बहुत बाद में बौद्ध हो गए। लेकिन सामाजिक न्याय के तहत भारतीय राजनीति को उन्होंने जिस ढंग से बदला, उसका सर्वाधिक असर उत्तर प्रदेश और कुछ प्रभाव बिहार पर पड़ा। इसका मुख्य कारण यह है कि देश में दलितों की सर्वाधिक 20 फीसदी जनसंख्या यूपी में ही है और इसमें भी आधी आबादी उस जाटव जाति की है, जिसका प्रतिनिधित्व मायावती करती हैं। कांशीराम का मानना था कि लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता ?हासिल करके ही देश में सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है और जातीय भेदभाव खत्म किया जा सकता है।

लाक्षागृह बनते अस्पताल, बेमौत मरते लोग?

नरेन्द्र भारती

कैसी विडंबना है कि जीवनदान देने वाले अस्पताल अब लाक्षागृह बनते जा रहे है और लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं जहां लोग जीवन बचाने के लिए जाते है अगर वहां मौत नसीब हो तो यह वहुत ही खौफनाक त्रासदी है। ताजा घटना में ओडिशा के एससीबी मेडिकल कालेज व अस्पताल में हुआ जहां आग लगने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। आईसीयू में 23 मरीज दाखिल थे ।आग सुबह अढाई और तीन बजे के करीब लगी जिससे अफरा तफरी मच गई ।यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले भी हजारों हादसे हो चुके हैं।आंकडों के अनुसार कुछ साल पहले मुबंई के ईएसआईसी कामगार असपताल में आग लगने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 146 लोग घायल हो गए थे । मरीजों व तीमारदारों को निकलने का मौका नहीं लगा और बेमौत मारे गए। छह लोगों की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गइ थी। आग के कारणों का पता नहीं चल सका पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के मैडिकल कालेज व अस्पताल में भीषण आग लगने से तीन लोंगों की मौत हो गई थी और 18 लोग बुरी तरह झुलस गए थे।मृतको में एक बच्चा व दो महिलाएं शामिल थे।आग एसी मशीन के कारण लगी बताई जा रही थी।हादसे के समय सैकडों मरीज कर्मचारी मौजूद थे मगर लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

असपताल में चारों तरफ धुआं फेल गया था गनीमत रही लोग सुरक्षित स्थानों की तरफ भाग गए नहीं तो मृतकों का आंकडा ब-सजय सकता था। देश में अस्पतालों में आग का यह कोई पहला मामला नहीं है हर रोज कहीं न कहीं से ऐसे हादसे होतें रहते है कुछ दिन व्यवस्था ठीक रहती है फिर वही परिपाटी चल पडती है। सरकारें मुआवजा देकर अपना फर्ज निभाती है लेकिन मुआवजा इसका हल नही है। हादसों में झुलस गए लोग ताउम्र इसका दंश झेलेगें । आज समूचे भारत में प्रतिदिन भीषण अग्निकांड़ हो रहे है। इन अग्निकांड़ो से कई प्रशन सुलगते जा रहे है कि देश के मसीहाओं को इन हादसों से कोई सरोकार नहीं होता। सरकार को ऐसे हादसों से सबक सीखना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके यह जनहित में है।सर्तकता बरतनी होगी।अगर अब भी लापरवाही बरती तो ऐसे हादसे होते रहेगें वक्त अभी संभलने का है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज असंभव सा लगने वाले किसी काम में आज आपको सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर से संबंधित किसी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने से आपको थकान लगेगी फिर भी आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा कठिन प्रयास करेंगे, काम उतना ही आसान और बेहतर ढंग से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सजावट के सामान की खरीदारी करेंगे। आज आप जीवनसाथी की तरक्की से खुश होंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सालों से रुके हुए पैसे वापस दिलाने मे कुछ इष्ट मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके कर्मठशीलता की तारीफ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

सिंह राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आओ जीवनसाथी के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको माता-पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है, जिसकी आपको हेल्प करने का अवसर मिलेगा। आज ऑफिस में आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये बहुत फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस में अपने दस्तावेज संभालकर रखने की जरूरत है। आज आपके घर में किसी आयोजन को लेकर उत्साह रहेगा। आपके दांपत्य संबंध में अच्छा सामंजस्य रहेगा इससे आपको भी खुशी होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आपको किसी यात्रा पर जाने का योग बन रहा है, जिससे आपको लाभ भी होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। अध्यात्म की तरफ आपका रुझान अधिक रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिये सामान्य रहने वाला है। आज किसी खास रिश्तेदार की मदद से आपका रुक हुआ काम समय पर पूरा ही जाएगा। आज आपके प्रति शत्रु भाव रखने वालों व्यक्तियों से सावधान रहें। किसी भी कार्य को करते समय मन एकाग्र रखेंगे तो काम आसानी से व बिना किसी व्यवधान के पूरा हो जायेगा। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। जल्दबाजी में किए गए पूंजी निवेश से आपको थोड़ी बहुत टेंशन हो सकती है। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। समस्याओं के लिए दूसरों लोगों को जिम्मेदार मानने से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा। आज आपका किसी के प्रति अधिक आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है, इससे आपके पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं। आप सामाजिक स्तर पर कुछ नए बदलाव करने की सोचेंगे आपको अनुभवी लोगों का साथ भी मिलेगा इससे आपका काम आसान हो जायेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबार संबंधी योजनाओं को अपरिचित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी नकल कर सकता है इससे आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा और मेडिटेशन को रुटीन मे अपनाएंगे।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 18 मार्च 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बिहार में बड़ा एनकाउंटर, मार गिराए दो वांछित अपराधी; एक पुलिसकर्मी भी शहीद

मोतिहारी(आरएनएस)। बिहार पुलिस इन दिनों अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन में है। इस बीच, पूर्वी चंपारण जिले में मुठभेड़ में पुलिस ने दो वांछित अपराधियों को मार गिराया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी शहीद हो गया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना पूर्वी चंपारण जिले के चकिया थाना के रामडीहा गांव की है, जहां पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो अपराधी मारे गए हैं। मारे गए अपराधियों की पहचान कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे के रूप में हुई है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियार के साथ अपने दोस्त के घर पर छिपा हुआ है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस जब वहां पहुंची, तब अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

इस फायरिंग में एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। इस क्रम में पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चकिया का रहने वाला कुंदन ठाकुर और उसका सहयोगी मुजफ्फरपुर के साहेबगंज का रहने वाला प्रियांशु कुमार को गोली लग गई। उन्हें भी घायल अवस्था में अस्पताल लाया गया, जहां दोनों की मौत हो गई।

घटनास्थल से उज्जवल कुमार और संत कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है। घटनास्थल से एक कार्बाइन, दो पिस्टल, दो कट्टा, पांच जिंदा कारतूस और 17 खोखा बरामद किया गया है।

पुलिस के अधिकारी ने बताया कि मारे गए कुंदन ठाकुर का आपराधिक इतिहास रहा है। इसके खिलाफ चकिया, राजेपुर, नगर थाना में कई मामले दर्ज हैं। एक दिन पहले ही मोतिहारी के चकिया थाना के अपर थाना प्रभारी गौरव कुमार के फोन पर नेपाल के नंबर से धमकी दी गई थी। फोन करने वाला एक युवक अपने आप को कुंदन ठाकुर बता रहा था।

'इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता है पाकिस्तान', यूएन में भारत ने पाक को दिखाया आईना

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरिश ने एक बार फिर धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बनाए जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर भी तीखा हमला बोला।

हरिश ने कहा कि आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि धार्मिक पहचान का राजनीतिक इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और इसमें राज्य तथा गैर-राज्य दोनों तरह के तत्व शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी पड़ोसी पाकिस्तान ने अपने आसपास के क्षेत्रों में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के खिलाफ हो रहे क्रूर दमन को क्या कहा जाएगा। इसके अलावा अफगान नागरिकों को बड़ी संख्या में जबरन वापस भेजे जाने और रमजान के पवित्र महीने के दौरान हवाई हमलों की घटनाओं को किस श्रेणी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जो देश खुद इन मुद्दों में घिरा हुआ है, वही दूसरों पर आरोप लगाने में सबसे आगे रहता है।

बिहार राज्यसभा चुनाव में एनडीए का शानदार प्रदर्शन, नीतीश-नितिन और उपेंद्र कुशवाहा सहित पांचों उम्मीदवार जीते

पटना (आरएनएस)। बिहार में राज्यसभा चुनाव में एनडीए के सभी पांचों प्रत्याशी चुनाव जीत गए हैं। सोमवार की शाम को मतगणना के बाद एनडीए के सभी उम्मीदवार नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश राम को विजयी घोषित किया गया।

बताया गया कि एनडीए के पांचवें उम्मीदवार शिवेश कुमार को द्वितीय वरीयता के आधार पर जीत मिली है, लेकिन उन्होंने सबसे अधिक मत प्राप्त किया। चुनाव में महागठबंधन की ओर से राजद ने अमरेंद्र धारी सिंह को मैदान में उतारा था, जिसके बाद पांचवीं सीट को लेकर पेंच फंस गया था। राज्यसभा चुनाव के कारण बिहार की राजनीति में कई बड़े बदलाव होना तय है। नीतीश कुमार के ऊपरी सदन में जाने से राज्य का मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ेगा। इधर, जीत के बाद जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सभी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहले से तय था। हम लोगों ने इससे पहले विधानसभा चुनाव में भी एकजुटता के साथ लड़ा था और आज इस चुनाव का परिणाम भी सबके सामने है।

एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा जहाज नंदा देवी

भुज (आरएनएस)। भारतीय जहाज नंदा देवी मंगलवार को एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसी पुष्टि करते हुए कहा कि भारतीय जहाज नंदा देवी एलपीजी लेकर मंगलवार को सुबह लगभग 11.25 बजे गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा। इस हफ्ते एलपीजी लेकर पश्चिमी तट पर पहुंचने वाला नंदा देवी दूसरा जहाज है। इससे एक दिन पहले चशिवालिकञ मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचे हैं। जलडमरूमध्य ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बाधित है। ईरान की ओर से अनुमति मिलने के बाद ये जहाज भारत पहुंचे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से ईरान की बढ़ती सैन्य कार्रवाई और चेतावनियों के चलते फरवरी के अंत से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। सोमवार को कांडला बंदरगाह के अधिकारियों ने निर्देश जारी किया था कि एलपीजी ले जाने वाले सभी जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर लंगर डालने की अनुमति दी जाए ताकि माल की अनलोडिंग में तेजी लाई

जा सके और देरी को कम किया जा सके।

दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण ने जहाज एजेंटों को भेजे गए एक परिपत्र में कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने बंदरगाहों को एलपीजी से लदे जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर लंगर डालने का निर्देश दिया है ताकि देश भर में खाना पकाने की गैस का निर्बाध वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

कतर से लगभग 46,000 टन एलपीजी लेकर आने वाले शिवालिक जहाज ने अपनी नौ दिवसीय यात्रा पूरी की और सोमवार शाम को मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा था। बंदरगाह अधिकारियों ने पहले से ही डॉक्यूमेंटेशन और डॉकिंग की व्यवस्था कर ली थी ताकि बिना किसी देरी के माल उतारने का काम शुरू किया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों जहाज घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा हैं, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए आयात पर निर्भर है।नंदा देवी के पहुंचने के साथ ही, संयुक्त अरब अमीरात से लगभग 81,000 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा एक अन्य जहाज च्जग लाडकीज रास्ते में है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फारस की खाड़ी क्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद थे, जिनमें कुल 611 नाविक सवार थे।

ईरान में भारत का कूटनीतिक 'मास्टरस्ट्रोक', दुश्मन देशों को एक मंच पर लाकर 640 भारतीयों का हैरतअंगेज रेस्क्यू

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में लगातार गहराते युद्ध के संकट के बीच ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारत ने एक ऐसा कूटनीतिक चमत्कार कर दिखाया है, जिसे सामान्य तौर पर असंभव माना जाता था। भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की अभूतपूर्व सक्रियता के चलते ईरान से भारतीयों को सड़क मार्ग के जरिए अर्मेनिया और अजरबेजान सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि अर्मेनिया और अजरबेजान न सिर्फ एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं, बल्कि भारत के साथ भी अजरबेजान के रिश्ते काफी तनावपूर्ण रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अजरबेजान ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था, लेकिन भारत की कूटनीतिक ताकत के आगे अब उसने भी मदद के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं।

दो दिन में 640 नागरिकों का सफल रेस्क्यू, 284 श्रद्धालु भी शामिल

इस बेहद जटिल और तनावपूर्ण माहौल के बावजूद पिछले दो दिनों के भीतर ईरान से 640 भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से 550 नागरिकों को अर्मेनिया और 90 भारतीयों को अजरबेजान की सीमा में सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है, जहां से अब उन्हें स्वदेश या अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजने की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि तेहरान से बाहर निकाले गए इन नागरिकों में 284 वे श्रद्धालु शामिल हैं, जो वहां धार्मिक यात्रा पर गए हुए थे। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस वक्त ईरान में लगभग 9,000 भारतीय रह रहे हैं, जिनमें सबसे बड़ी संख्या पढ़ाई करने गए छात्रों की है।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव : भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती

चंडीगढ़(आरएनएस)। हरियाणा में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मंगलवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनावों में एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली। इन चुनावों के दौरान वोट की गोपनीयता के उल्लंघन और क्रॉस-वोटिंग की शिकायत देखने को मिली। ये सीटें भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर बौद्ध ने जीतीं।

भाजपा समर्थित इंडिपेंडेंट कैंडिडेट सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा। 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल के दो विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे। 90 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा के पास 48 सीटें हैं, कांग्रेस के पास 37 सीटें, इंडियन नेशनल लोकदल के पास दो सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों के पास तीन सीटें हैं। सोमवार शाम 4 बजे जब वोटों की गिनती पूरी हुई, तो दोनों पार्टियों के नेताओं ने अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत का दावा किया। हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग से हरी झंडी मिलने के बाद देर रात वोटों की गिनती शुरू हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि चुनाव की निष्पक्षता में दखल देने की कोशिशें की जा रही हैं। मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए, उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया कि नतीजों की घोषणा से पहले वे पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करें। हालांकि, भाजपा ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान कांग्रेस के दो विधायकों परमवीर सिंह और भारत सिंह बेनीवाल ने

गोपनीयता का उल्लंघन किया।कांग्रेस ने परिवहन मंत्री अनिल विज पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिन का पहला वोट डाला। विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार ने दो सीटों में से एक पर जीत हासिल की है।उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, यह हमारी जीत है। क्रॉस-वोटिंग के डर से, कांग्रेस पार्टी, जिसके 90-सदस्यीय सदन में 37 विधायक हैं, उन्होंने अपने विधायकों को हिमाचल प्रदेश के रिसॉर्ट्स और होटलों में भेज दिया। उनमें से छह विधायक निजी कारणों से हिमाचल नहीं गए।

नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन के अवसर पर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी दिखाई दे रहे हैं।

लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने दिया मई में सुनवाई का भरोसा

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर मई में सुनवाई का भरोसा दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका अच्छी है और इस पर गौर किया जा सकता है।एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दाखिल याचिका में कहा गया है कि एक ऐसा आयोग बनाया जाना चाहिए जिसमें कानून के जाने-माने जानकार शामिल हों और वे नए सिलेबस और पाठ्यक्रम तैयार करें, ताकि कानूनी शिक्षा को आधुनिक और सभी के लिए सुलभ बनाया जा सके।याचिका में यह भी बताया गया है कि अब भी भारत में अधिकांश लॉ कोर्स पांच साल के इंटीग्रेटेड बीए-एलएलबी या बीबीए-एलएलबी प्रोग्राम के रूप में चल रहे हैं। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि जबकि अधिकांश कोर्स चार साल के होते हैं, पांच साल का यह कोर्स छात्रों के लिए समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ा देता है। खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के छात्र इस लंबी अवधि और खर्च को लेकर परेशान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी वजह से यह कोर्स सबसे बेहतरीन टैलेंट को अपनी ओर खींचने में नाकाम रह रहा है।सीजेआई सूर्यकांत ने इस मामले पर कहा कि कानूनी शिक्षा एक अलग मुद्दा है और कानूनी शिक्षा की गुणवत्ता भी एक अलग बात है। उन्होंने माना कि यह जनहित याचिका अच्छी है और इस पर गौर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे बेहतरीन टैलेंट पहले भी आ रहा है।

याचिका में यह भी बताया गया है कि पांच साल का कोर्स अब पुराना और वित्तीय रूप से बोझिल हो गया है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी चार साल के अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम को बढ़ावा देती है, लेकिन कानूनी शिक्षा अभी पुराने इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों पर टिकी हुई है।

204 पूर्व अधिकारियों ने लिखा खुला पत्र; संसद में राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए, माफी की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के 204 पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने संसद की गरिमा को लेकर चिंता जताते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। इन हस्ताक्षरकर्ताओं में 116 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी, 84 सेवानिवृत्त नौकरशाह (जिनमें 4 राजदूत शामिल हैं) और 4 वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि भारत की संसद देश की संवैधानिक व्यवस्था का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां जनता की आवाज को अभिव्यक्ति मिलती है, कानून बनाए जाते हैं और गणराज्य की बुनियाद मजबूत होती है। ऐसे में संसद की गरिमा केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का अहम हिस्सा है। संसद भवन के भीतर सांसदों का आचरण उच्चतम मानकों के अनुरूप होना चाहिए। लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों के साथ-साथ संसद परिसर के अन्य हिस्से (जैसे सीढ़ियां, गलियारे और लॉबी) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और वहां भी उसी गरिमा का पालन किया जाना चाहिए।

हस्ताक्षरकर्ताओं ने 12 मार्च की घटना पर विशेष चिंता जताई। उनके

अनुसार, उस दिन माननीय स्पीकर द्वारा संसद परिसर में किसी भी तरह के प्रदर्शन या विरोध पर स्पष्ट रोक लगाने के बावजूद विपक्ष ने इस निर्देश की अनदेखी की। खुले पत्र में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने जानबूझकर इस आदेश का उल्लंघन किया, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय परंपराओं के प्रति अनादर भी दर्शाता है।पत्र में यह भी कहा गया कि राहुल गांधी और कुछ अन्य सांसद संसद की सीढ़ियों पर बैठकर चाय और बिस्कुट लेते हुए दिखाई दिए, जो देश की सर्वोच्च विधायी संस्था के सदस्यों के अनुरूप आचरण नहीं है। संसद की सीढ़ियां किसी प्रदर्शन या राजनीतिक मंचन का स्थान नहीं हैं।

हस्ताक्षरकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह व्यवहार अहंकार और विशेषाधिकार की भावना को दर्शाता है और संसद जैसी संस्था के प्रति सम्मान की कमी को उजागर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद को लोकतंत्र का मंदिर माना जाता है, जहां जनप्रतिनिधि गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए आते हैं, लेकिन इस तरह के व्यवहार से उसकी गरिमा को ठेस पहुंचती है। पत्र में आगे कहा गया कि राहुल गांधी पहले भी संसद के भीतर और बाहर इस तरह के नाटकीय व्यवहार के जरिए सार्वजनिक संवाद के स्तर को गिराते रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि वे संसद को गंभीर बहस के मंच के बजाय एक राजनीतिक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने यह भी कहा कि ऐसे आचरण से न केवल संसद की कार्यवाही बाधित होती है, बल्कि जनता का समय और संसाधन भी व्यर्थ होते हैं।

कांग्रेस के काले कारनामों ने भारत के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास को किया प्रभावितः निशिकांत दुबे

नई दिल्ली (आरएनएस)। झारखंड के गोड्डा से चौथी बार भाजपा से सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट कर कांग्रेस पार्टी को घेरा है। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा है, आज से एक नया दैनिक दिनचर्या का कार्य आरंभ कर रहा हूं। आजादी के बाद, कांग्रेस के काले कारनामे जिसने भारत के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास को प्रभावित किया। 17 मार्च 1959 को, आज ही के दिन, तिब्बत से दलाई लामा जी भारत आए थे, इसी घटना के विरोध में चीन ने भारत पर 1962 का आक्रमण किया। आज भी हमारी लगभग 78 हजार वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने इस युद्ध के बाद अपने कब्जे में जबरदस्ती रखी है। चीन हमारा पड़ोसी इसी घटना के बाद बना। वहीं, दूसरे पोस्ट में संसद में जारी गतिरोध के बीच सांसद निशिकांत ने विपक्ष के व्यवहार और निलंबन को लेकर लिखा है। उन्होंने पोस्ट में कहा, आज सभी कांग्रेस पार्टी के सांसदों का निलंबन शायद वापस होगा।

केंद्रीय मंत्री पुरी की बेटी हिमायनी को राहत, एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवादित कंटेंट पर तत्काल रोक

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को बड़ी राहत देकर एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवादित कंटेंट पर तत्काल रोक लगा दी है। दिल्ली होईकोर्ट ने गूगल, मेटा और लिंक्डइन सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 24 घंटे के अंदर आपत्तिजनक सामग्री हटाने का आदेश दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला बनता है। अदालत ने कहा कि अगर विवादित कंटेंट पर रोक नहीं लगी, तब याचिकाकर्ता को अपूरणीय क्षति होगी।

हिमायनी ने अपनी मानहानि याचिका में दावा किया कि एपस्टीन से जुड़े कुछ आरोपों को उनके नाम से गलत तरीके से जोड़ा गया है, इससे उनकी छवि गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। याचिका में 10 करोड़ रुपये के हर्जाने और सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि बयान गलत तरीके से जोड़े गए थे। आपत्ति दर्ज कराने के बाद भी कुछ कंटेंट नहीं हटाया। हिमायनी के वकील ने कहा कि निष्पक्ष रिपोर्टिंग की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना सबूत के नुकसान पहुंचाना मानहानि है।

दिल्ली होई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि आरोपों की जांच करना एजेंसियों का काम है, अदालत इसका फैसला नहीं करेगी। लेकिन फिलहाल याचिकाकर्ता की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए अंतरिम राहत देना जरूरी है। अदालत ने सभी संबंधित प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि हिमायनी से जुड़ा कोई भी विवादित कंटेंट, जिसमें एपस्टीन फाइल्स का जिक्र हो और उन्हें गलत तरीके से जोड़ा गया हो, 24 घंटे के अंदर हटा दिया जाए।

पिता नीतीश कुमार को फूलों का गुलदस्ता दिया और कंधे पर हाथकर मुस्कुराते दिखे निशांत

बिहार में राज्यसभा मतदान के बाद एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत तय

पटना,(ए.)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय है। सोमवार को हुए मतदान के बाद रिजल्ट जारी हुआ और एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत तय कर दी गई। रिजल्ट के बाद एनडीए के इन नेताओं को बधाई मिल रही है। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने भी अपने पिता को जीत की बधाई दी है। राज्यसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद निशांत ने अपने एक्स हैंडल से सोमवार की शाम चार तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में वह अपने पिता नीतीश कुमार को गुलदस्ता देते नजर आ रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर में पिता के कंधे पर हाथ रखकर मुस्कुराते दिख रहे हैं।फोटो शेयर करते हुए निशांत ने लिखा है, जय बिहार! आज एनडीए के पांचों लोगों की निर्णायक जीत पर मैंने पिताजी को बधाई दी। जिन्होंने हर बिहारवासी को गौरवान्वित किया उन्हें बधाई। अभिनंदन। एक पुत्र के रूप में मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वहीं एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत पर जेडीयू के एक्स हैंडल से लिखा गया- राज्यसभा चुनाव में एकजुट एनडीए ने बिहार के लिए नया इतिहास रच दिया है। पांचों सीटों पर शानदार जीत एनडीए की मजबूत एकजुटता का परिणाम है। यह सफलता सीएम नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व पर विश्वास और उनकी रणनीति की जीत है। समृद्धि की ओर बढ़ता बिहार हर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। एनडीए की यह निर्णायक जीत बिहार की प्रगति और एकजुटता की कहानी को और मजबूत करती है।दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव जीतने पर बीजेपी नेता शिवेश कुमार ने कहा कि पहले दिन से ही मैं कह रहा था कि हम एक हैं और मैं पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने बिहार से रविदास समाज का बेटा भेजा...हम एक थे और पहले दिन से ही मेरा अंदाजा था कि हम जीतेंगे।

मौनी रॉय ने व्हाइट साड़ी में ढाया कहर, बैकलेस ब्लाउज पहन दिए कातिलाना पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय फिल्मों से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सुर्खिंया बटोरटी नजर आती हैं. एक्ट्रेस आए दिन अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती हैं हाल ही में उन्होंने साड़ी में अपनी कुछ शानदार फोटोज शेयर की हैं.मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही एक्ट्रेस अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान खींचा है.शेयर की गई फोटोज में एक्ट्रेस ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं. उनका ये लुक काफी एलिगेंट गल रहा है.साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पिंक एंड गोल्डन कॉम्बिनेशन का बैकलेस ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में चार चांद लग रहा है.एक्ट्रेस ने गोल्डन झुमके और बिंदी लगाकर अपने इस लुक को कंप्लीट किया है. उनका ये अंदाज देखने लायक है.एक्ट्रेस ने मेकअप को काफी सटल रखा है. उन्होंने स्मोकी आई लुक और लाइट शेड लिपस्टिक चूज की. खुले बालों में बला की हसीन दिख रही हैं.बैकलेस ब्लाउज पहन कर एक्ट्रेस ने जमकर कातिलाना पोज दिए. उनकी इन अदाओं पर फैंस फिदा हो गए हैं.कुछ फोटोज में एक्ट्रेस कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट करती नजर आई. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है.

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र रिलीज़

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र अब रिलीज़ हो चुका है; गीता फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स इस फिल्म को इस गर्मी में रिलीज़ कर रहे हैं। दीवाना में हर्षित रेड्डी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि स्मेहा मणिमेगलाई तेलुगु दर्शकों

के सामने नायिका के रूप में नज़र आ रही हैं। फिल्म का निर्माण वासुदेव कोप्पिनेनी और श्रीदेवी कार्यमपुडी अरहा मीडिया और वी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं। निर्देशक श्रीकांत संगीशेट्टी फिल्म को एक खूबसूरत प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। दीवाना इस गर्मी में भव्य सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।दीवाना का टीज़र आज रिलीज़ हुआ। टीज़र देखकर मणिरत्नम शैली की रोमांटिक फ़िल्म का एहसास होता है। टीज़र से पता चलता है कि हीरो एक शादी समारोह में नायिका को देखते ही पहली नज़र में उससे प्यार कर बैठता है। उस पल से, वह उसकी पूरी दुनिया बन जाती है। हालाँकि उसके दोस्त उसे चेतावनी देते हैं कि उसके परिवार के साथ जुड़ना खतरनाक हो सकता है, लेकिन वह उनकी बात सुनने से इनकार कर देता है। क्या लड़की उसके गहरे प्यार का जवाब देती है या नहीं, यह दर्शकों को सिनेमाघरों में ही पता चलेगाटीज़र में प्रेमा इदि प्रेमा गुंडेलोना सादिरेपेडे प्रेमा... गाने का बैकग्राउंड म्यूज़िक दिल को छू लेने वाला है।

फिल्म दालिंब से जारी हुई जितेंद्र कुमार की पहली झलक, पहचानना हुआ मुश्किल

पंचायत सीरीज से लोगों का दिल जीतने वाले जितेंद्र कुमार एक नए अवतार को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनका यह अवतार फिल्म दालिंब से सामने आया है जिसे जी5 हिंदी ने आधिकारिक तौर पर जारी किया है। यह एक थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है जो जी5 और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पहले सहयोग के तौर पर बनाई गई है। फिल्म की कहानी और निर्देशन की जिम्मेदारी प्रिया एवेन ने उठाई है, जबकि संवाद वरद भटनागर ने लिखे हैं।

फिल्म दालिंब का ऐलान जितेंद्र के पोस्टर रिलीज के साथ किया गया है। अभिनेता के लुक की बात करें तो उनके चेहरे को मेकअप से ढ़का गया है। यह तस्वीर किसी कथकली नर्तक जैसी प्रतीत होती है। इसे देखकर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा के कुछ दृश्य याद आ जाएंगे। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, रंगों के बीच एक ऐसा रहस्य...जो कभी दिखता नहीं।

नौकरी छोड़ एक्ट्रेस बनीं अनन्या नागल्ला, पवन कल्याण संग इस फिल्म से बदली किस्मत

साउथ एक्ट्रेस अनन्या नागल्ला पिछले कुछ सालों से इंडस्ट्री में खुद की पहचान बना रही है. तेलुगु फिल्मों में काम करने वाली अनन्या ने बहुत कम समय में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा है. 2019 में फिल्म मल्लेशम से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अनन्या ने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में मजबूत जगह बनाई है. उनकी सादगी, नैचुरल एक्टिंग और मेहनत की वजह से उन्हें दर्शकों से बहुत तारीफ मिली. इसी बीच आइए उनके बारे में विस्तार से जानते हैं.

अनन्या नागल्ला का जन्म तेलंगाना के खम्मम जिले के सतुपल्ली में एक तेलुगु परिवार में हुआ था. उनके पिता वेंकटेश्वर राव एक बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम विष्णु प्रिया है. बचपन से ही अनन्या पढ़ाई में अच्छी थी और परिवार का माहौल भी काफी सपोर्टिव रहा.

अनन्या ने हैदराबाद के इब्राहिमपट्टनम स्थित राजा महेंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बीटेक की पढ़ाई पूरी की. पढ़ाई खत्म करने के बाद उन्होंने आईटी कंपनी इन्फोसिस में नौकरी शुरू की. वहां वो टेस्ट एनालिस्ट के रूप में काम करती थी और बाद में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनी.

नौकरी के समय ही अनन्या को 2017 में एक शॉर्ट फिल्म शादी में काम करने का मौका मिला.

इसके बाद उन्होंने हैदराबाद के मणिकोंडा इलाके में एक एक्टिंग स्कूल जॉइन किया और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने की तैयारी शुरू कर दी.

कई ऑडिशन देने के बाद अनन्या को 2019 की बायोपिक फिल्म मल्लेशम में काम करने का मौका मिला. इस फिल्म में उन्होंने पद्मा नाम का किरदार निभाया, जो दर्शकों को पसंद आया था. इस रोल के लिए उन्होंने अपनी नौकरी से एक महीने की छुट्टी ली थी.

2021 में अनन्या नागल्ला को पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म वकील साब में काम करने का मौका मिला. यह फिल्म हिंदी फिल्म पिंक की रीमेक थी. फिल्म में अनन्या ने दिव्या नायक का किरदार निभाया था. इस रोल के बाद उन्हें पूरे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहचान मिलने लगी.

अनन्या ने 2021 में साइंस-फिक्शन ड्रामा फिल्म प्ले बैक में भी काम किया. इसके अलावा 2024 में आई फिल्म तंत्र में उन्होंने लीड रोल निभाया. इस फिल्म में उनके कॉन्फिडेंस और स्क्रीन प्रेजेंस की भी काफी चर्चा हुई.

अनन्या नागल्ला के लिए आईटी कंपनी की नौकरी छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखना आसान फैसला नहीं था. लेकिन अपने जुनून और मेहनत के दम पर अनन्या आज तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं.

सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान का बदला नाम, अब मातृभूमि के टाइटल से होगी रिलीज

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. फिलहाल इस फिल्म के टाइटल को लेकर बड़ा अपडेट आया है. दरअसल बैटल ऑफ गलवान का नाम बदल दिया गया है और मेकर्स ने सोमवार को इसका नया टाइटल भी अनाउंस कर दिया है. जानते है सलमान खान की ये मच अवेटेड वॉर ड्रामा किस नए टाइटल से सिनेमाघरों में रिलीज होगी?

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी सबसे चर्चित फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नया नाम ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है. ये फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस के नए टाइटल से रिलीज की जाएगी. मेकर्स ने एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर जारी किया है, जो न सिर्फ फिल्म के नाम में बदलाव को दिखाता है, बल्कि एक ऐसा मैसेज भी देता है जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है.

फिल्मों के ओरिजनल नाम को लेकर हुए विवादों को देखते हुए मेकर्स ने सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल बदलकर मातृभूमि रख दिया है. माना जा रहा है कि यह बदलाव ओरिजनल टाइटल को लेकर उठे विवाद को शांत करने के लिए किया गया है. मेकर्स ने ये कदम इस वजह से भी उठाया है ताकि इस फिल्म की रिलीज में कोई रुकावट ना आए.

इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है मे वॉर रेस्ट इन पीस इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई-झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है. जहाँ यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से इंस्पाय है, वहीं इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है.

धुरंधर 2 की आंधी में उड़ी शाहरुख खान की जवान, एडवांस बुकिंग में आया तूफान

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज का इंतजार अब खत्म होने वाला है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ 3 दिन बाकी रह गए हैं और उसके बाद बॉक्स ऑफिस पर नया

धमाका देखने को मिलेगा। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अपने एडवांस बुकिंग में ही काफी कोहराम मचाकर रखा है। इसने रिलीज से पहले ही शाहरुख खान की फिल्म जवान को पटखनी दे दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि धुरंधर 2 ने अपनी एडवांस बुकिंग में लगभग 32 करोड़ का कारोबार कर लिया है। वहीं, शाहरुख और एटली की फिल्म जवान ने रिलीज से पहले लगभग 28.75 करोड़ रुपये की एडवांस बिक्री की थी। इस तरह धुरंधर 2 ने रिलीज से पहले ही शानदार कलेक्शन करते हुए फैंस और व्यापार विशेषज्ञों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। ओपनिंग डे पर जबरदस्त धमाल मचने की पूरी उम्मीद है।धुरंधर पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब इसका सीक्वल धुरंधर 2 आ रहा है जिसे लेकर लोगों में उत्साह दोगुना देखा जा रहा है।

द केरल स्टोरी 2' ने तीसरे संडे मचा दिया गदर, धुआंधार छापे नोट

द केरल स्टोरी 2' में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. काफी विवादों और काफी कानूनी पचड़े में फंसने के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है.. यहां तक कि अपने तीसरे वीकेंड पर भी ये फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर छाई रही. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे कितना कारोबार किया है?

द केरल स्टोरी 2' को क्रिटिक्स से मिले जुले रिव्यू मिले थे लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही और इसी के साथ ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है. इसने जहां पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था तो वहीं दूसरे वीकेंड में इस फिल्म की कमाई 17.07 करोड़ रुपये रही. इसके बाद तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तीसरे शनिवार, यानी 16वें दिन अच्छी बढ़त हासिल करते हुए इस फिल्म का कलेक्शन 2.75 करोड़ रुपये रहा. इस बढ़त की बदौलत, फ़िल्म ने 50वें रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट का मील का पत्थर पार कर लिया, और ऐसा करने वाली यह 2026 की पहली बॉलीवुड फ़िल्म बन गई हैंअब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2' ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे को 2.78 करोड़ की कमाई कर ली. इसी के साथ इस फिल्म का 17 दिनों का टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं द केरल स्टोरी 2' की ग्रॉस कमाई 52.04 करोड़ रुपये हो गई है.द केरल स्टोरी 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर रही है. रिलीज के तीसरे संडे को इसने बॉक्स ऑफिस ही लूट लिया. इसका टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ हो चुका है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए उम्मीद है कि ये तीसरे मंडे या तीसरे मंगलवार को 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी. द केरल स्टोरी 2 का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसे विपुल अमृतलाल शाह ने सनसाइन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. इसमें सुमित गहलवात, अर्जन सिंह औजला, युक्ताम खोलसा और अलका अमीन ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं.

गर्मियों में बनाकर पिएं ये 5 नींबू के पेय, घर में सभी को आएंगे पसंद

गर्मियों में नींबू का पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह पेट को ठंडक देने के साथ-साथ शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू के पानी से कई अन्य स्वादिष्ट पेय भी बनाए जा सकते हैं? आइए आज हम आपको नींबू से बनाए जाने वाले पांच ऐसे पेय की रेसिपी बताते हैं, जो गर्मियों में आपके दिन को तरोताजा कर सकते हैं।

नींबू की चाय

नींबू की चाय एक हल्का और ताजगी भरा विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें चायपत्ती डालें, फिर इसमें आधा नींबू निचोड़ें और थोड़ा शहद मिलाएं। इसे 5-7 मिनट तक पकने दें। अब इसे छानकर गिलास में डालें और ठंडा करने के लिए ठंडा स्थान पर रखें। आप चाहें तो इसमें पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं। यह पेय आपको दिनभर तरोताजा रखेगा और आपकी प्यास भी बुझाएगा।

नींबू और पुदीने का शरबत

नींबू और पुदीने का शरबत एक बेहतरीन पेय है, जो आपको गर्मियों के दौरान ठंडक प्रदान कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नींबू का रस निकालें और उसमें पुदीने की पत्तियां डालें, फिर इसमें चीनी और पानी मिलाकर अच्छे से हिलाएं। इस मिश्रण को कुछ देर ठंडा स्थान पर रखें ताकि यह ठंडा हो जाए। अब इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

नींबू और अदरक का शरबत

अगर आप मसालेदार स्वाद पसंद करते हैं तो यह शरबत आपके लिए एकदम सही विकल्प होगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अदरक को कद्दूकस कर लें, फिर नींबू का रस निकालें और उसमें अदरक का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें चीनी और पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। इस मिश्रण को कुछ मिनट तक ठंडा स्थान पर रखें ताकि यह ठंडा हो जाए। अब इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय मसालेदार और सेहत के लिए फायदेमंद है।

नींबू और नारियल पानी का शरबत

यह पेय उन लोगों के लिए है जो नारियल पानी का स्वाद पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नारियल पानी निकालें, फिर उसमें नींबू का रस निचोड़ें और चीनी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं ताकि चीनी घुल जाए। इसके बाद इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण भी प्रदान करता है। नारियल पानी और नींबू का मेल इसे और भी खास बनाता है।

नींबू और तुलसी का शरबत

तुलसी सेहत के लिए फायदेमंद गुणों से भरपूर होती है, इसलिए इसका शरबत बनाना बहुत अच्छा विचार हो सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तुलसी की पत्तियों को पीस लें, फिर नींबू का रस निचोड़ें और उसमें तुलसी का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें शहद या चीनी मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करने के लिए ठंडा स्थान पर रखें। ठंडा होने पर इसे गिलास में डालकर परोसें।

गर्मियों के दौरान त्वचा के लिए फायदेमंद हैं एलोवेरा का इस्तेमाल, जानिए कैसे

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जिसकी जेल जैसी सामग्री में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकते हैं, खासतौर से गर्मियों में जब त्वचा को सूरज की किरणों और पसीने का सामना करना पड़ता है। आइए आज हम आपको एलोवेरा के इस्तेमाल से जुड़े कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जो आपकी त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने समेत कई अन्य लाभ दे सकते हैं।

एलोवेरा से बनाएं फेस मिस्ट

एलोवेरा से बना फेस मिस्ट त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एलोवेरा जेल को पानी के साथ मिलाकर एक स्प्रे बोतल में डालें, फिर इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। यह तरीका खासतौर से धूप में निकलने के बाद बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और उसे नमी से भरपूर रखता है। यह आपकी त्वचा को ताजगी का एहसास दिलाएगा।

बादाम के तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण लगाएं

बादाम का तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण त्वचा को भरपूर नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए थोड़े से एलोवेरा जेल में बादाम का तेल मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे और शरीर पर लगाएं। यह मिश्रण आपकी त्वचा को मुलायम बनाएगा और उसे गहराई से पोषण देगा। इसके अलावा यह त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचा सकता है। यह तरीका आपकी त्वचा को चमकदार बनाएगा।

धूप की जलन से राहत दिलाने में है कारगर

अगर आपको धूप से जलन हो गई है तो एलोवेरा जेल लगाना फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और जलन को कम करता है। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके प्रभावित जगह पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। यह तरीका आपकी त्वचा को आराम देगा और उसे जल्दी ठीक करने में मदद करेगा। इससे त्वचा को आराम मिलेगा।

एलोवेरा से बनाएं स्क्रब

एलोवेरा स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद कर सकता है। इसके लिए चीनी या नमक को एलोवेरा जेल में मिलाकर स्क्रब तैयार करें, फिर इसे अपने चेहरे और हाथ-पैरों पर हल्के हाथों से मलें, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब मृत कोशिकाओं को हटाने, त्वचा को साफ और ताजगी देने में मदद करेगा। इसके अलावा यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में भी सहायक है।

एलोवेरा फेस मास्क लगाएं

फेस मास्क त्वचा को पोषण देने के लिए बहुत अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एलोवेरा जेल को अपने पसंदीदा फेस मास्क पाउडर जैसे कि चंदन या हल्दी पाउडर के साथ मिलाकर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक सूखने दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका आपकी त्वचा को साफ करेगा और उसे मुलायम बनाएगा। इससे आपकी त्वचा को निखार मिलेगा।

अमेरिका खर्ग द्वीप की तेल पाइपलाइनों पर करेगा हमला, ट्रंप ने दी ईरान को चेतावनी

इस द्वीप में पाइपलाइनों, भंडारण और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता

तेहरान,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध थमता नजर नहीं आ रहा है। इस जंग के बीच खर्ग द्वीप चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जो ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और खुद ट्रंप ने इसे ईरान का क्राउन ज्वेल बताया है। बीते दिनों अमेरिकी हमले में यहां मौजूद सैन्य ठिकानों को नष्ट करने का दावा ट्रंप ने किया था और अब उन्होंने फिर से इस आइलैंड को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका सेना यहां मौजूद तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ये ईरान के लिए बड़ा झटका होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के खर्ग द्वीप पर स्थित तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका ने पिछले हमलों के दौरान जानबूझकर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने से परहेज किया था। उन्होंने बताया कि हमने द्वीप पर हमला किया था और उसे तबाह कर दिया, जिसमें वहां मौजूद तेल भंडार वाले क्षेत्र को छोड़कर सब कुछ नष्ट हो गया है।

ट्रंप के मुताबिक खर्ग द्वीप पर मौजूद पाइपलाइनें छोड़ दी थी, हम ऐसा नहीं करना चाहते थे, लेकिन हमें ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह संयम आंशिक रूप से उस बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए था, जिसका उपयोग भविष्य में ईरान के पुनर्निर्माण के दौरान किया जा सकता है।

बता दें ईरान का खर्ग द्वीप इसका मुख्य तेल टर्मिनल और ऑयल एक्सपोर्ट का सेंटर है। वैश्विक बाजारों में देश के कच्चे तेल के लगभग 90फीसदी शिपमेंट को यहीं से संभाला जाता है। इसे ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। फारस की खाड़ी में ईरानी दक्षिणी तट से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित यह द्वीप तेल पाइपलाइनों, भंडारण सुविधाओं और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता रखता है और गहरे पानी के लोडिंग जेट्टी के जरिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से इसे जोड़ता है। ये ईरान सरकार के लिए करीब 78 अरब डॉलर की रेवेन्यू मशीन है, इस आय का एक बड़ा हिस्सा ईरान की सैन्य क्षमता पर खर्च होता है।

बता दें ट्रंप ने एक बार फिर अन्य देशों से होर्मुज स्ट्रेट को लेकर सहयोगी देशों से मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम उन अन्य देशों को प्रोत्साहित करते हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था इस समुद्री तेल रूट पर हमारी तुलना में कहीं ज्यादा निर्भर है, जबकि हमें इसके जरिए अपने तेल का सिर्फ 1फीसदी से भी कम प्राप्त होता है। जापान को 95फीसदी, चीन को 90फीसदी और कई यूरोपीय देशों को काफी मात्रा में यहां से तेल प्राप्त होता है। हम चाहते हैं कि वे होर्मुज के मामले में हमारी मदद करें। बता दें तमाम देशों ने ट्रंप के होर्मुज पर युद्धपोत भेजने के आग्रह को ठुकराकर उन्हें झटका दिया है।

जो नहीं कर सके कार्टर और रीगन वह ट्रंप ने कर दिखाया, यूएस के बने पहले राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि सेंट्रल कमांड ने ईरान के सबसे बड़े तेल टर्मिनल खर्ग आईलैंड पर भीषण हमला किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूएस सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी में ईरान के ताज का गहना कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर लक्ष्य को तबाह कर दिया। इसके साथ ही ट्रंप ईरान के खर्ग द्वीप पर हमले का आदेश देने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। यहां तक कि 1979 के बंधक संकट के दौरान भी इस द्वीप पर हमला नहीं किया गया था। 1979 में इस्लामिक क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मियों को बंधक बना लिया गया था। दो साल तक चले बंधक संकट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इस द्वीप पर हमले करने से बचते रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद 1980 के दशक में ईरान और इराक के बीच युद्ध शुरू हो गया। इस दौरान कार्टर के उत्तराधिकारी रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकी सेना को क्षेत्र उतारा, जिसने ईरानी जहाजों और मिसाइल बैटरियों को निशाना बनाया, लेकिन रीगन ने भी अपने पूर्ववर्ती की तरह ही खर्ग पर हमला नहीं किया। 9 मार्च को जेपी मॉर्गन के एक नोट के हवाले से बताया कि आठ साल के युद्ध के दौरान इराकी सेनाओं ने खर्ग के कुछ टर्मिनलों और टैंकरों पर हमले किए थे, लेकिन यह ज्यादातर चालू हालत में रहे। हमलों के दौरान हुए नुकसान की मरम्मत जल्दी कर ली जाती थी।

ईरान के मुख्य तट से करीब 28 किमी की दूरी पर स्थित खर्ग आईलैंड देश का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल है। यह द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है, क्योंकि यहां से देश के पूरे तेल निर्यात का करीब 90 फीसदी गुजरता है। इसकी खासियत द्वीप का गहरा तट है, जहां एक साथ कई सुपरटैंकर डॉक होते हैं और तेल लोड करके निर्यात के लिए निकलते हैं। ट्रंप ने कहा कि हमले द्वीप पर मौजूद सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थे और तेल ढांचे को इससे दूर रखा गया था।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का भीषण हमला, यूएई ने खोला एयर स्पेस

ब्रिटेन ने किया ईरान से व्यापक युद्ध में शामिल होने से इनकार, ट्रंप स्टारमर से नाराज

बगदाद,(ए.)। इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन और रॉकेट से हमले किए गए हैं, जिसे हमलों की शुरुआत के बाद से सबसे भीषण हमला बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान से मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण बंद किए गए अपने हवाई क्षेत्र को फिर से खोल दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर के इस बयान से नाराजगी जताई है कि ब्रिटेन ईरान को लेकर किसी व्यापक युद्ध में शामिल नहीं होगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध ईरान ने इजराइल पर हमले और तेज कर दिए हैं। यहां तक कि ईरान ने पहली बार सेज्जिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है, जिसे डांसिंग मिसाइल भी कहते हैं। यह मिसाइल सॉलिड फ्यूल से चलती है, जिसकी रेंज 2,000 से 2,500 किलोमीटर तक है और हाई एल्टीट्यूड पर मैन्यूवर करके इजराइल के आयरन डोम जैसे डिफेंस को चकमा दे सकती है।

ईरान के आईआरजीसी ने इसे तेल अवीव और सेंट्रल इजराइल के मिलिट्री टारगेट्स पर दागा। कुछ मिसाइलें इंपैक्ट हुईं, जहां बिल्डिंग्स और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, लेकिन बड़े पैमाने पर मौतों की अभी कन्फर्म रिपोर्ट नहीं आई। इजराइल की डिफेंस ने कई मिसाइल्स को रोका, लेकिन हमला बड़ा एस्केलेशन माना जा रहा है।

शर्मनाक करतूतः पाकिस्तान ने आतंकी बताकर 400 मरीजों और आम लोगों की कर दी हत्या

काबुल,(ए.)। अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नशा मुक्ति केंद्र के रूप में संचालित एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 400 हो गया है। अफ़गान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने मंगलवार सुबह पुष्टि की कि सोमवार देर रात हुए इस हमले ने 2,000 बेड की क्षमता वाले उमर एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल के एक बड़े हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया है। इस हमले में लगभग 250 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि बचाव दल अभी भी इमारत में लगी आग बुझाने और मलबे से शवों को निकालने के कार्य में जुटे हुए हैं।

पाकिस्तानी पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और गुमराह करने वाला करार दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने केवल काबुल और नंगरहार प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों और आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। पाकिस्तानी सूचना मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में तालिबान के तकनीकी उपकरणों और गोला-बारूद के गोदामों को सटीक निशाना बनाया गया, जिनका उपयोग पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ हो रहा था।

इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन अटैक, परिसर में लगी आग; बजने लगे सायरन

बगदाद (ए.)। इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को बड़ा हमला हुआ, जिसके बाद परिसर के अंदर आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब दो विस्फोटक से लैस ड्रोन दूतावास के परिसर के भीतर गिर गए और उनके विस्फोट से आग भड़क उठी।यह घटना बगदाद के बेहद सुरक्षित माने जाने वाले ग्रीन जोन इलाके में स्थित संयुक्त राज्य दूतावास में हुई। एजेंसी के मुताबिक, इराक के गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि दोनों ड्रोन दूतावास की सुरक्षा सीमा के भीतर गिरते ही फट गए, जिससे परिसर के अंदर आग लग गई और धुआं बाहर से भी दिखाई देने लगा। हमले के दौरान पूरे परिसर में तुरंत सायरन बजने लगे, लेकिन दूतावास की सुरक्षा प्रणाली इन ड्रोन को रोकने में असफल रही। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा प्रणाली आने वाले ड्रोन को इंटरसेप्ट नहीं कर सकी।हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, हालांकि आग लगने से दूतावास की इमारतों और अन्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, दूतावास पर सोमवार शाम से लेकर मंगलवार तड़के तक कई बार हमले किए गए। सामने आए वीडियो फुटेज में देखा गया कि एक ड्रोन दूतावास परिसर के बेहद करीब आकर फटा, जिससे यह संकेत मिलता है कि एक ही रात में कई बार सुरक्षा व्यवस्था को भेदा गया।बगदाद का ग्रीन जोन इलाका बेहद सुरक्षित माना जाता है। यहां इराकी सरकार की इमारतें, संसद और कई विदेशी दूतावास मौजूद हैं, जिनमें अमेरिकी दूतावास भी शामिल है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में यह इलाका कई बार रॉकेट और मोर्टार हमलों का निशाना बन चुका है।इसी बीच इराक के तेल मंत्रालय ने बताया कि सोमवार देर रात दक्षिणी इराक के मजनून तेल क्षेत्र को भी दो ड्रोन से निशाना बनाया गया। तेल मंत्रालय के प्रवक्ता साहिब बाजून के मुताबिक, एक ड्रोन टेलीकॉम टावर से टकराया, लेकिन उससे कोई नुकसान नहीं हुआ। वहीं दूसरा ड्रोन वहां काम कर रही एक अमेरिकी कंपनी के कार्यालयों को निशाना बनाकर गिराया गया।

खेल समाचार

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी।

बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं।

भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

विराट कोहली ने आरसीबी की ऑल टाइम इलेवन चुनी, मोहम्मद सिराज को नहीं दी जगह

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। आगामी संस्करण से कुछ दिन पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की अपनी ऑल टाइम इलेवन चुनी है। उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम में पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे बड़ी खिलाड़ियों को जगह दी है। हालांकि, उन्होंने सितारों से सजी इस टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नहीं चुना है। आइए उनकी टीम पर एक नजर डालते हैं।

कोहली ने गेल और डिविलियर्स के अलावा अपनी टीम में केएल राहुल, रजत पाटीदार को दिनेश कार्तिक को चुना है। बता दें कि पाटीदार की कप्तानी में ही आरसीबी ने पिछले सीजन में लीग इतिहास में पहली बार खिताब जीता था। वहीं गेंदबाजों में मिचेल स्टार्क और युजवेंद्र चहल को जगह दी है। दिग्गज स्पिनर चहल आरसीबी की ओर से खेलते हुए 100 से भी ज्यादा विकेट चटका चुके हैं।कोहली ने अनिल कुंबले और हर्षल पटेल को भी चुना। उन्होंने पूर्व दिग्गज को टीम में लेते हुए कहा, आठवें नंबर पर अनिल भाई (कुंबले) को रखूंगा। ऐसे में यह एक जबरदस्त टीम होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं हर्षल (पटेल) को भी टीम में चुनूंगा, क्योंकि उनमें थोड़ी-बहुत बल्लेबाजी की काबिलियत भी है। और वह तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर एकदम सही बैठते हैं। वह अलग-अलग फेज में गेंदबाजी करते रहे हैं। कोहली ने अपनी ऑल टाइम इलेवन में सिराज को नहीं चुना। बता दें कि सिराज (2018-2024) आरसीबी में कोहली की कप्तानी में टीम के प्रमुख गेंदबाज हुआ करते थे। उन्होंने डेल स्टेन और मिचेल स्टार्क के रूप में 2 विदेशी तेज गेंदबाजों को जगह दी। कोहली की ऑल टाइम इलेवन- क्रिस गेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, केएल राहुल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, हर्षल पटेल, अनिल कुंबले, मिचेल स्टार्क, डेल स्टेन, और युजवेंद्र चहल।

न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीकाः ईश सोढ़ी बची हुई टी-20 सीरीज से बाहर

नईदिल्ली,(ए.)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ बची हुई टी-20 सीरीज से बाहर हुए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, सोढ़ी अंगूठे की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हुए हैं। बता दें कि पहले टी-20 को हारकर न्यूजीलैंड की टीम सीरीज में फिलहाल पिछड़ रही है। ऐसे में कीवी टीम के लिए सोढ़ी का बाहर होना बड़ा झटका है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को नहीं चुना है। हालांकि, लॉकी फर्ग्यूसन हैमिल्टन और ऑकलैंड में होने वाले दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम में शामिल हुए हैं। वह आखिरी 2 टी-20 के लिए उपलब्ध थे। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, ईश न्यूज़ीलैंड के लिए खेलने को लेकर बहुत जुनूनी हैं, और हम जानते हैं कि विश्व कप के बाद वह अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सोढ़ी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने अब तक 140 मैचों में 23.06 की औसत और 8.15 की इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में कीवी टीम में उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ टिम साउथी (164) ने चटकाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध सोढ़ी ने 2 मैचों में 15.25 की औसत से 4 विकेट चटकाए हैं।

कोच वॉल्टर ने उम्मीद जताई कि उनकी टीम सीरीज में वापसी करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमें पूरा भरोसा है कि लॉकी के साथ-साथ मिच और कोल के आने से, हमारे पास अगले 2 मैचों के लिए पर्याप्त बैकअप मौजूद है। न्यूजीलैंड ने इस सीरीज के लिए कई खिलाड़ियों को 2-3 मैचों के लिए चुना है।

'क्या एक टूर्नामेंट जीतना भारतीयों की जान से ज्यादा कीमती है?', पाकिस्तानी खिलाड़ी को करोड़ों देने पर भड़के सुनील गावस्कर

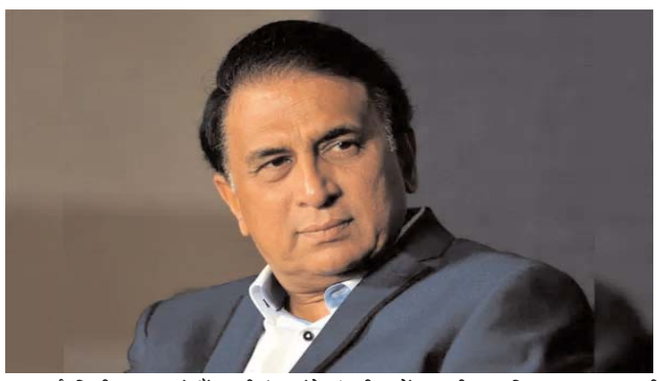

नई दिल्ली(ए.)। इंग्लैंड की 'द हंड्रेड' लीग में भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी द्वारा एक पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदे जाने के बाद क्रिकेट जगत में भारी बवाल मच गया है। सन ग्रुप की मालकिन काव्या मारन की टीम 'सनराइजर्स लीड्स' ने हाल ही में हुई नीलामी में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को भारी-भरकम रकम देकर अपनी टीम में शामिल किया है। इस फैसले पर भारत में सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट ही रहा था कि अब महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी बेहद तल्ख टिप्पणी कर दी है। उन्होंने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए साफ कहा है कि किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी को करोड़ों की फीस देना अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैनिकों और नागरिकों की मौत में योगदान देने जैसा है।द हंड्रेड लीग की नीलामी में सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को 1 लाख 90 हजार पाउंड यानी करीब 2.3 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर खरीदा है। मामला यहीं नहीं रुका, टीम के कोच डेनियल वेटोरी ने नीलामी के बाद यह भी कह दिया कि एक और पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक भी उनकी राडार पर थे। इसी बात पर भड़कते हुए सुनील गावस्कर ने 'मिड-डे' के अपने कॉलम में लिखा कि भारतीय फ्रेंचाइजी के इस कदम पर जो हंगामा हो रहा है, वह बिल्कुल जायज और स्वाभाविक है। उन्होंने याद दिलाया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से ही भारतीय फ्रेंचाइजियों ने आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पूरी तरह दूरी बना ली थी, लेकिन अब विदेश की लीग में उन्हें खरीदना पूरी तरह से समझ से परे है।गावस्कर ने अपने कॉलम में बेहद सीधा और कड़वा सच लिखते हुए कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को दी जाने वाली करोड़ों की फीस का एक बड़ा हिस्सा इनकम टैक्स के रूप में उनकी सरकार के पास जाता है। उसी टैक्स के पैसों से पाकिस्तान हथियार और बारूद खरीदता है, जिनका इस्तेमाल भारतीय सैनिकों और बेगुनाह नागरिकों के खिलाफ सीमा पर और देश के अंदर होता है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा कि अगर कोई भारतीय संस्था या उसकी विदेशी कंपनी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को पेमेंट कर रही है, तो वह अनजाने में ही सही, भारतीयों के हताहत होने में अपना योगदान दे रही है।

दक्षिण अफ्रीका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ खेल चुकीं हैं भाइयों की ये जोड़ियां

नईदिल्ली,(ए.)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हराते हुए सीरीज में बढ़त बनाई। इस मैच में प्रोटियाज टीम से जॉर्डन हरमन और रूबिन हरमन के रूप में 2 भाई साथ में खेले। जॉर्डन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच साबित हुआ। इसके साथ ही जॉर्डन और रूबिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए एक साथ खेलने वाले भाइयों की 8वीं जोड़ी बन गई। आइए इन जोड़ियों के बारे में जानते हैं।

स्टेनली और टिप स्नूक भाईयों की पहली ऐसी जोड़ी थी, जिसने दक्षिण अफ्रीका के लिए खेला था। यह मैच 1907 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच था। ये मैच स्टेनली के लिए एकमात्र अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ, जिसमें उन्होंने पहली पारी में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी की। दूसरी पारी में उन्हें बल्लेबाजी नहीं मिली और न ही उन्होंने गेंदबाजी की। उनके छोटे भाई सिबली जॉन टिप ने इस मैच की दोनों पारियों को मिलाकर कुल 99 रन बनाए थे।

डैन और हर्बी टेलर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए एक साथ 2 टेस्ट मैच खेले थे। यह जोड़ी 1914 में डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में एक साथ मैदान पर उतरी थी। इस जोड़ी ने उस सीरीज के आखिरी 2 टेस्ट मैच एक साथ खेले, जो डैन के करियर के भी एकमात्र 2 अंतरराष्ट्रीय मैच थे। डरबन टेस्ट की दूसरी पारी में, हर्बी और डैन ने 69 रनों की साझेदारी की थी।

रेजिनाल्ड और फिलिप हैंड्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ एक बार, 1914 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में एक साथ खेला था। यह बड़े भाई रेजिनाल्ड का दक्षिण अफ्रीका के लिए पहला और एकमात्र टेस्ट था, जिसमें उन्होंने दो पारियों में 0 और 7 रन बनाए थे। फिलिप ने इस टेस्ट में 83 और 49 रन बनाए थे। फिलिप ने उस टेस्ट सीरीज में बाकी के मैच भी खेले थे।

पाकिस्तान ने आखिरी ओवर के दौरान लिए गए बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर शिकायत दर्ज कराई

नईदिल्ली,(ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने तीसरे वनडे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 11 रन से हराया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। तीसरे वनडे में पाकिस्तान की आखिरी ओवर के दौरान बांग्लादेश ने रिव्यू लिया था, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था। इस रिव्यू को लेकर के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शिकायत दर्ज कराई है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।यह मामला मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना के उस फैसले से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर बांग्लादेश को रिव्यू लेने की इजाजत दी थी। क्रिकबज को एक सूत्र ने बताया, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का मानना है कि बांग्लादेश ने रिव्यू तब लिया, जब बड़ी स्क्रीन पर उस गेंद का रीप्ले दिखाया गया। इसी वजह से मैच खत्म होने के बाद टीम प्रबंधन रेफरी के पास गया और उन्हें अपनी इस बात की जानकारी दी। उस विवादित डीआरएस के बाद, कोच माइक हेसन ने मैच रेफरी नियमुर राशिद से शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि यह साफ नहीं है कि पीसीबी इस शिकायत से क्या नतीजा चाहता है। खबरों के मुताबिक, मैच रेफरी ने हेसन से मुलाकात की और उन्हें पूरी स्थिति विस्तार से समझाने की कोशिश की। राशिद ने यह भी स्पष्ट किया कि मेजबान टीम ने किसी भी तरह का कोई अनुचित फायदा नहीं उठाया।

मां कर्मा को लगाए 56 भोग, भक्ति, शक्ति व संस्कृति का त्रिवेणी बना मां कर्मा जयंती महोत्सव

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा को किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। मालाखेड़ी स्थित शगुन गार्डन में तेली साहू समाज की आराध्य देवी संत शिरोमणि माँ कर्मा देवी की जयंती का आयोजन भक्ति, शक्ति व संस्कृति का त्रिवेणी महोत्सव बन गया। पूर्ण गरिमा और अपार उत्साह के साथ मनाई गई। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव ने अपनी भव्यता से समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक वैभव की अनुपम छटा बिखेरी।

आरती पूजन और छप्पन भोग के साथ आध्यात्मिक शुभारंभ

महोत्सव का शुभारंभ माँ कर्मा देवी एवं भगवान जगन्नाथ स्वामी के विधि.विधान से पूजन.अर्चन और भव्य आरती के साथ हुआ। भक्ति की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब श्रद्धाभाव के साथ भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। पूरा परिसर माँ कर्मा के जयकारों और भजनों से गुंजायमान रहा, जिससे वातावरण आध्यात्मिक रस में सराबोर हो गया। साहू समाज की महिलाओं ने मां कर्मा देवी जी को छप्पन व्यंजन से भोग लगाया।

विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने कहा साहू समाज दिशा तय करने वाला समाज

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीताशरण शर्मा ने कहा कि साहू समाज सदैव से स्वावलंबी रहा है। विशेषकर इस समाज की महिलाएँ अपनी कर्मठता से न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा तय करने में सक्षम हैं। उन्होंने समाज के गौरवशाली इतिहास का स्मरण कराते हुए वर्तमान में इसकी सक्रिय भागीदारी की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

प्रतिभाओं और कलमकारों का सम्मान

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सत्र में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों शैक्षणिक प्रतिभाओं और विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले समाजसेवियों का सम्मान किया गया। साथ ही लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों के साथ वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा व अन्य अनेक पत्रकारों को भी उनकी निष्पक्ष सेवा के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के विभिन्न सदस्यों ने भी अपने विचार साझा करते हुए सामाजिक उत्थान और एकता का संकल्प दोहराया।

हजारों की संख्या में उमड़ा जनसैलाब

आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नर्मदापुरम और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएँ और युवा इस महोत्सव का साक्षी बनने पहुँचे। कार्यक्रम में सामाजिक जनों में जगदीश प्रसाद साहू सतीश साहू आनंद साहू बंसीलाल साहू मोहनलाल साहू पंकज साहू महिलाओं की बड़ी उपस्थिति ने कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनसमुदाय ने शुचिपूर्ण भोजन प्रसादी का आनंद लिया। आयोजन समिति से गौरव सेठ किसान केशव साहू चंदन साहू नर्मदा प्रसाद साहू मीनाक्षी अनिल साहू कोमल साहू संतोष साहू राजेंद्र साहू संजय साहू देवेंद्र राठौर लोकेश साहू मनीष साहू ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने संसद में उठाया प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का मुद्दा

नई दिल्ली। नर्मदापुरम। लोकसभा सभा में के प्रश्नकाल के दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जलागम विकास घटक से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न सदन में उठाए। सांसद ने सरकार से जानकारी चाही कि वर्षा आधारित एवं क्षरित भूमि के विकास के लिए इस योजना के तहत अब तक कौन.कौन से कार्य किए गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि क्या इस योजना के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि, जल संरक्षण और ग्रामीण रोजगार सृजन के क्षेत्र में कोई ठोस एवं प्रभावी परिणाम सामने आए हैं।उन्होंने सदन में किसानों के हितए जल संरक्षण और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि इन योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिएए जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।इस पर मंत्री द्वारा विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसमें योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। सांसद ने कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के नेतृत्व में विकास की धारा निरंतर प्रवाहित हो रही है। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रभावी रूप से कार्य कर रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे प्रयासों से आने वाले समय में कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी।

हर पुल की रेलिंग की मरम्मत व मजबूतीकरण, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, चेतावनी संकेतक और रिफ्लेक्टर की स्थापना, बैरिकेटिंग तथा यातायात नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए : श्रीमती माया नारोलिया

नर्मदापुरम (ए.)। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश से सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने नर्मदापुरम जिले के इटारसी क्षेत्र की गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से इटारसी के निकट पथरौटा नहर पुल पर लगातार हो रही

घातक दुर्घटनाओं का मुद्दा सदन के समक्ष रखा।राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और तात्कालिक जनहित का विषय है। पिछले 20 दिनों में ही इस स्थान पर चार लोगों की कथित रूप से मौत हो चुकी है। उन्होंने इन घटनाओं को मात्र दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया। उन्होंने पुल की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि यहां रेलिंग टूट-फूटकर क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे नहर की ओर खुला और खतरनाक किनारा बन गया है। इसके अलावा, स्ट्रीट लाइटिंग की कमी के कारण रात में दृश्यता बेहद कम रहती है। चेतावनी संकेतक बोर्ड, रिफ्लेक्टर, सड़क चिह्नांकन, गति नियंत्रण उपाय और बैरिकेटिंग जैसी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी पूरी तरह नदारद हैं।राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, जिनमें स्कूल बसें, एम्बुलेंस और अन्य यात्री व व्यावसायिक वाहन शामिल हैं। ऐसे में यह समस्या आम लोगों की सुरक्षा से सीधे जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कई हादसों के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से केवल अस्थायी उपाय किए गए हैं, जो समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं।

सतरस्ते पर पहली बार संगीतमय देवी भागवत कथा 19 मार्च से

माता महाकाली मंदिर परिसर से प्रातः काल 8 बजे से निकलेगी भव्य कलश यात्रा

दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक होगी देवी भागवत कथा

नर्मदापुरम। दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा आध्यात्मिक आयोजन की श्रृंखला में चैतीय नवरात्र महोत्सव के दौरान माता महाकाली मंदिर परिसर में संगीतमय देवी भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे ने पत्रकार वार्ता में बताया कि सतरस्ते पर माता महाकाली के मंदिर परिसर में पहली बार संगीतमय देवी भागवत कथा का आयोजन 19 मार्च से नवरात्रि के मौके पर शुरू होगा। जिसका विश्राम 27 मार्च को भव्यता के साथ जवारे विसर्जन, प्रसाद वितरण व भंडारे के साथ होगा। उन्होंने बताया कि देवी भागवत कथा से पूर्व 19 मार्च को धर्माचार्य पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व व मार्गदर्शन में सुबह 8 बजे सतरस्ता से नारी शक्ति व वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में, समिति सदस्यों के साथ मां नर्मदा के पावन तट सेठानी घाट की ओर निकलेंगे। मां नर्मदा से जल कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सतरस्ता पर माता महाकाली प्रांगण में पहुंचेगी। उसके उपरांत दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक पं जितेन्द्रिय महाराज (बशिष्ठ) राजराजेश्वरी बाराही धाम डुंगारिया जिला सीहोर के मुखारविंद से देवी भागवत कथा का वाचन होगा। समिति के सभी पदाधिकारियों सदस्यों देवी भक्तों ने सभी श्रद्धालुओं से इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का आग्रह किया है। ऐसा अनुमान है कि कलश यात्रा में बड़ी संख्या में नारी शक्ति शामिल रहेंगी।

नर्मदापुरम में किसानों की बदलती सोच, अब नरवाई जलाने के स्थान पर किया जा रहा उसका प्रबंधन

जिला प्रशासन के प्रयासों से फसल अवशेषों को बदल रहे भूसे में

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में नरवाई (फसल अवशेष) के उचित प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है। जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय रहकर किसानों से सीधे संवाद कर रहे हैं और उन्हें नरवाई नहीं जलाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में अनुविभाग सिवनी मालवा के एसडीएम विजय राय द्वारा ग्राम पंचायत तिनसियाई के ग्राम बेराखेड़ी क्षेत्र का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान कृषक पूरन सिंह के 12 एकड़ खेत में हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद तत्काल भूसा मशीन के माध्यम से नरवाई का प्रबंधन कराया गया। इसी प्रकार ग्राम भरलाय में भी फसल कटाई के पश्चात नरवाई का समुचित प्रबंधन कर खेत को अगली फसल के लिए तैयार किया गया। जिला प्रशासन द्वारा समस्त किसान बंधुओं से अपील की गई है कि फसल कटाई के बाद अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उचित प्रबंधन करें। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी, बल्कि मृदा की उर्वरक क्षमता भी बनी रहेगी तथा लाभकारी कीटों का संरक्षण भी संभव होगा।

जिले में नरवाई जलाने पर दर्ज हुई एफआईआर

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में नरवाई जलाने के मामले के अंतर्गत अनुविभाग सिवनी मालवा की तहसील शिवपुर अंतर्गत ग्राम भिलड़िया निवासी शिवकुमार यादव की शिकायत पर समीपस्थ भूमि स्वामी मोरसिंह कुशवाह के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवकुमार यादव के खेत में गेहूं की फसल खड़ी थी, इसी दौरान नजदीकी खेत के मालिक मोरसिंह कुशवाह द्वारा नरवाई में आग लगा दी गई। आग तेजी से फैलते हुए उनके खेत तक पहुंच गई, जिससे फसल को नुकसान पहुंचा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर टैंकरों की सहायता से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।उल्लेखनीय है कि जिले में उप जिला दंडाधिकारी अनिल जैन द्वारा मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग भोपाल एवं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के तहत Air (Prevention and Control of Pollution Act, 1981) तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत नरवाई जलाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन द्वारा लगातार किसानों से अपील की जा रही है कि वे नरवाई नहीं जलाएं और उसका वैज्ञानिक एवं सुरक्षित प्रबंधन करें। नरवाई जलाने से जहां पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचती है, वहीं जनहानि, पशुहानि तथा संपत्ति को नुकसान होने की आशंका भी बनी रहती है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज

12 कवि मां नर्मदा के तट पर करेंगे काव्य पाठ

नर्मदापुरम (निप्र)। *नर्मदा आव्हान सेवा समिति नर्मदापुरम व्दारा 21 वर्षों की भाँति इस वर्ष भी नवसंवत्सर गुडीपड़वा की पूर्व संध्या पर अखिल कवि सम्मेलन का आयोजन 18 मार्च दिन बुधवार को रात्रि 9 बजे से सेठानी घाट पर आचार्य पं सौमेश परसाई के मुख्यातिथि एवं जनप्रतिनिधियों, समाजसेवीयो साहित्यकारों पत्रकारों की विशिष्ट अतिथि मे किया जा रहा है। समिति के केप्टिन किशोर करैया ने बताया की देश के मौलिक स्थापित कवि गण माँ नर्मदा की कलकल धारा के साथ स्वर साधना करेंगे। समिति के हंस राय ने बताया की आमंत्रित कविगण डॉ आदित्य जैन कोटा, कौशल सक्सेना रायसेन, दीपक दनादन भोपाल, दिनेश याज्ञनिक देवनगर डॉ रानू रुही जबलपुर, महेन्द्र मधुर आष्टा, अमित बिल्लौर सोहागपुर, विनोद सनोडिया सिवनी, विकास बैरागी नरसिंहपुर, मंयक शर्मा भिलाई, दर्शन लौहार रतलाम अपनी प्रस्तुति देंगे। केप्टिन करैया ने बताया की इस अवसर पर नर्मदा आव्हान सेवा समिति द्वारा इस वर्ष का स्व. श्री संतोष इंकलाबी की स्मृति मे साहित्य गौरव सम्मान देश के प्रसिद्ध कवि कौशल सक्सेना जो निरंतर 21 वर्षों से कुशलता पूर्वक एवं उत्कृष्ट मंच संचालन करते आ रहे हैं उन्हें प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। समिति ने क्षेत्र के सभी साहित्य प्रेमी को इस काव्य महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।*

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जनसुनवाई के दौरान 97 आवेदकों की समस्याओं का किया समाधान

कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

1 दिन की समय सीमा के भीतर आवेदक को उपलब्ध कराई जाए वांछित नकल

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में आयोजित आम जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए उनका समाधान किया। इस दौरान उन्होंने आवेदकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें अन्य आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु समझाइश भी दी। जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, एसडीएम जय सोलंकी सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने इस दौरान पूर्व में लंबित जनसुनवाई प्रकरणों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने इस दौरान 97 आवेदकों की समस्याओं का समाधान करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाए। जनसुनवाई के दौरान इटारसी तहसील निवासी राहुल कुमार कटारे द्वारा नल की सत्यापित प्रतिलिपि प्राप्त न होने की समस्या सामने आई। इस पर कलेक्टर ने तत्काल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इटारसी एसडीएम को निर्देशित किया कि आवेदक को एक दिवस के भीतर चाही गई नकल की सत्यापित प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मामले की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन देने के बावजूद आवेदक को समय पर प्रतिलिपि क्यों नहीं दी गई। जांच उपरांत विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।पिपरिया निवासी गुलाब सिंह कहार द्वारा समयमान वेतनमान का लाभ न मिलने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए स्थापना शाखा प्रभारी को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर शीघ्र ही आवेदक को समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान किया जाए।

जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी

अब तक 1619 बालिकाओं ने लगवाया टीका

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14-15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन निशुल्क लगाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत ने बताया कि महिलाओं में होने वाले कैंसरों में दूसरे सबसे प्रमुख सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नर्मदापुरम जिले में एचपीवी (ह्यूमन पैपीलोमा वायरस) टीकाकरण जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल इटारसी, सभी सीएचसी में अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से लगाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक नए सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं और करीब 80 हजार महिलाओं की इससे मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कैंसर मुख्यतः एचपीवी वायरस के कारण होता है, जिसे किशोरी बालिकाओं में समय पर टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क लगाई जा रही है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए एचपीवी का निशुल्क टीकाकरण अवश्य कराएं तथा अधिक जानकारी के लिए एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

जिला स्तरीय बीज सखी उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न,

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत स्थानीय जैव विविधता और देशी बीजों के संरक्षण के लिए गत दिवस जिला स्तरीय परंपरागत बीज संरक्षण एवं बीज सखी उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन ने सभी बीज सखियों को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण में सीखे गए कार्यों को केवल कागजों तक सीमित न रखें, बल्कि पूरी गंभीरता के साथ जमीनी स्तर (धरातल) पर उतारें।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1 नर्मदापुरम (म0प्र0)

निविदा सूचना क्र0 12/2026/ई-टेण्डर/नीलामी/न.पुरम दिनांक 13.03.2026

// नीलामी निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्यो हेतु टेण्डर कम ऑक्शन पद्धति से निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	आफसेट वैल्यू	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
1.	2026_PWDRB_490250	पुराना ऑफिसर क्लब वृद्धजन पार्क के पास, मालाखेड़ी रोड नर्मदापुरम का डिस्मेंटलिंग कार्य।	रू. 82486.00	रू. 20000.00	रू. 1000.00	15 दिवस
2.	2026_PWDRB_490251	लोक निर्माण विभाग प्रयोगशाला नर्मदापुरम फॉरेस्ट आफिस के पीछे लोक निर्माण विभाग की पुरानी बिल्डिंग का डिस्मेंटलिंग कार्य।	रू. 76824.00	रू. 20000.00	रू. 1000.00	15 दिवस
		कुल योग रू	159310.00			

निविदा के विस्तृत दस्तावेज एवं नियम व शर्ते बेवसाईट https://mptenders.gov.in से निःशुल्क डाउनलोड की जा सकती है। निविदाकार को निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि केवल ई-भुगतान के माध्यम से ऑनलाईन ही जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 24.03.2026, सायं 5.30 बजे तक निर्धारित है। ऑनलाईन नीलामी की प्रारम्भ तिथि दिनांक 30.03.2026 सुबह 10:30 बजे से दिनांक 30.03.2026 सायं 5.30 बजे तक निर्धारित है। किसी प्रकार के परिवर्तन/संशोधन का प्रचार प्रसार केवल उपरोक्त बेवसाईट पर ही किया जावेगा।

निविदा में प्राप्त सभी बिड/प्रस्ताव को स्वीकृति अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के पास सुरक्षित रहेगा।

जी/27510/25

कार्यपालन यंत्री

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें **लो0 नि0 वि0 संभाग नर्मदापुरम**

पश्चिम मध्य रेल

पश्चिम मध्य रेलवे सीनियर सेकेन्डरी स्कूल न्यू यार्ड इटारसी
संविदा शिक्षकों की भर्ती हेतु वॉक इन इंटरव्यू

पश्चिम मध्य रेलवे सीनि. सैके. स्कूल न्यू यार्ड इटारसी में शिक्षण सत्र 2026–2027 के लिए संविदा आधार पर अधिकतम 200 कार्य दिवसों हेतु नियुक्ति की जाएगी।
पदों की संख्या, वॉक–इन–इंटरव्यू तिथि एवं मानदेय विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	वॉक–इन–इंटरव्यू दिनांक	कैटेगरी	पदो की संख्या	प्रति माह मानदेय
1	07.04.2026	पीआरटी (PRT) प्राइमरी टीचर	09	21250/-
2		टीजीटी (TGT) अंग्रेजी (English)	01	26250/-
3		टीजीटी (TGT) क्राफ्ट (Craft)	01	26250/-
4	08.04.2026	पीजीटी (PGT) जीवविज्ञान (Biology)	01	27500/-
5		टीजीटी (TGT) विज्ञान (Science)	01	26250/-
6		टीजीटी (TGT) हिन्दी (Hindi)	02	26250/-
7		पीजीटी (PGT) हिन्दी (Hindi)	01	27500/-
8	09.04.2026	टीजीटी (TGT) गणित (Mathematics)	02	26250/-
9		पीजीटी (PGT) भौतिकविज्ञान (Physics)	01	27500/-
10		पीजीटी (PGT) रसायनविज्ञान (Chemistry)	01	27500/-
11		पीजीटी (PGT) इतिहास (History)	01	27500/-
12		पीजीटी (PGT) समाजशास्त्र (Sociology)	01	27500/-
		कुल पद	**22**	

उक्त नियुक्ति हेतु शैक्षणिक योग्यताएं, अर्हताएं, आयु सीमा, अन्य शर्ते एवं आवेदन का प्रारूप पश्चिम मध्य रेल की वेबसाइट www.wcr.indianrailways.gov.in एवं BHOPAL DIVISION PERSONNAL DEPARTMENT के Facebook Page पर उपलब्ध है। आवेदक शैक्षणिक योग्यताएं, अर्हताएं, आयु सीमा, आवेदन फॉर्म तथा अन्य शर्ते डाउनलोड करें। अभ्यर्थी अपनी पात्रता स्वयं जाँचने के उपरांत वॉक इन इंटरव्यू के लिए निर्धारित दिनांक पर दिए गए प्रारूप में आवेदन, आवश्यक मूल एवं स्वसत्यापित प्रमाणपत्रों सहित पश्चिम मध्य रेलवे सीनि सेके स्कूल, न्यू यार्ड इटारसी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.) 461115 में उपस्थित हों।
साक्षात्कार हेतु पंजीकरण एवं दस्तावेज सत्यापन प्रातः 08:00 से 10:00 बजे के मध्य होगा।"

हस्ता.
प.म.रे. सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, न्यू यार्ड, इटारसी, पमरे

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com